राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 19 नवंबर 2025

वर्ष 16, अंक 63, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

ऊँची दुकान फीके पकवान! लखनऊ की ब्रांडेड मिठाई दुकानों पर छापा..03

बाहर से आकर ठहरने वाले व्यक्तियों की सूचना संबंधित थाना में आवश्यक- कलेक्टर..04

राहुल-तेजस्वी की जोड़ी फेल, किसने बिगाड़ा महागठबंधन का खेल?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद अब इस बात की समीक्षा होगी कि महागठबंधन की इतनी बुरी गत क्यों हुई. महागठबंधन की पार्टियों को वोट भी ठीकठाक मिले. मुकाबला भी काटे का दिखा. पर, सीटों में यह तब्दील नहीं हुआ. महागठबंधन को 243 मे सिर्फ 34 सीटों से संतोष करना पड़. एनडीए ने 200 से अधिक सीटें जीत कर भारी बहुमत हासिल कर लिया है. जहां तक वोट शेयर की बात है, महागठबंधन पिछली बार के 37.2 प्रतिशत वोटों पर ही अंटका रहा, जबकि एनडीए ने पिछले 37.3 प्रतिशत वोटों के मुकाबले इस बार 10 प्रतिशत से अधिक वोट जोड़े. एनडीए को 47.7 प्रतिशत वोट इस बार मिले हैं. बहरहाल महागठबंधन के पिछड़ने के कारणों पर गौर करें तो कई ऐसी बातें उभर कर सामने आती हैं, जो महागठबंधन की छवि को नुकसान पहुंचाने का कारण बनीं।

छठ पर राहुल की बयानबाजी

बिहार का प्रमुख पर्व छठ समाप्त होते ही राहुल गांधी 29 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर आए थे. वहां उन्होंने एक रैली को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी को छठ पूजा से कोई लेना-देना नहीं. उन्हें सिर्फ वोट चाहिए. इसके लिए वे मंच पर डांस-ड्रामा भी कर देंगे. इसे बिहार में आस्था के पर्व छठ का अपमान माना गया. सत्ताधारी एनडीए ने इसे छठ और बिहार का अपमान बताया. भाजपा ने इसे राहुल की हिन्दू विरोधी आचरण बताया. राहुल के इस बयान के कारण भाजपा हिन्दू वोटों को ध्रुवीकृत करने में कामयाब रही. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल को चेतावनी दी कि इसकी कीमत राहुल को चुनाव में चुकानी पड़ेगी. मुजफ्फरपुर कोर्ट में इसे लेकर राहुल के खिलाफ मामला भी दर्ज कराया गया है. भाजपा या एनडीए को छोड़ भी दें तो तेजस्वी यादव के बड़े भाई तेज प्रताप यादव ने इसे लेकर राहुल पर तल्ख टिप्पणी की- 'राहुल को छठ का ज्ञान ही नहीं, वे विदेश घूमते हैं' महागठबंधन की चुनाव में दुर्गति हुई है तो इसका एक कारण राहुल का बयान भी है.

शहाबुद्दीन जिंदाबाद का नारा

तेजस्वी यादव ने मुस्लिम-यादव समीकरण को पुख्ता करने के लिए आपराधिक छवि के पूर्व सांसद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा सहाब को आरजेडी में शामिल कराया था. जनवरी में तेजस्वी जब सीवान दौरे पर आए तो उन्होंने शहाबुद्दीन के परिवार के साथ न सिर्फ मंच साझा किया, बल्कि भीड़ के उस नारे का गवाह भी बने, जिसने 'शहाबुद्दीन अमर रहें' के नारे लगाए थे. जुलाई 2025 में आरजेडी के स्थापना दिवस पर भी तेजस्वी ने खुद इसे दोहराया था. ऐसे ही बाहुबलियों के कारण लालू-राबड़ी के शासन को जंगल राज बताने वाली भाजपा ने इसे जंगल राज की वापसी बताकर प्रचार किया. चुनाव परिणाम आने के बाद भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा भी कि शहाबुद्दीन जिंदाबाद के नारे से ही महागठबंधन की हार तय हो गई थी. बिहार की जनता जंगल राज नहीं चाहती. तेजस्वी के इस नारे से तेजस्वी के नेतृत्व में महागठबंधन की बन रही साफ-सुथरी छवि को नुकसान पहुंचा।

ओवैसी को चरमपंथी बताना

तेजस्वी यादव ने अक्टूबर में AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के बारे में एक ऐसी टिप्पणी कर दी, जो मुसलमानों को नाराज करने के लिए काफी थी. महागठबंधन के पक्ष में मुस्लिम वोट साधने के लिए तेजस्वी ने ओवैसी को चरमपंथी बताया था. ओवैसी ने इसे मुसलमानों का अपमान बताया. उन्होंने यहां तक कह दिया कि इसका खामियाजा तेजस्वी को भोगना पड़ेगा. राहुल गांधी ने भी इसे अप्रत्यक्ष समर्थन दिया था. ओवैसी ने सीमांचल की अपनी रैलियों में इस मुद्दे को खूब उछाला. वे यही कहते कि आरजेडी की नजर में नमाजी चरमपंथी हैं. इससे सीमांचल की मुस्लिम बहुल 24 सीटों पर असर पड़ा. मुस्लिम वोट बंट गए और ओवैसी की पार्टी ने 5 सीटें जीत लीं. बिहार में मुस्लिम आबादी करीब 17 प्रतिशत है. मुस्लिम वोटों का बिखराव महागठबंधन की दुर्गति का कारण रहा है.

मुस्लिमों को कमतर आंकना

तेजस्वी यादव और राहुल गांधी की जोड़ी ने बिहार की 17 प्रतिशत आबादी वाले मुसलमानों के साथ न्याय नहीं किया. मुस्लिम-यादव समीकरण को आधार बना कर चलने वाली पार्टी आरजेडी ने अपने हिस्से की 143 सीटों में सिर्फ 18 ही मुसलमानों को दी, जबकि यादव जाति के लोगों को 50 से अधिक सीटें मिलीं. इतना ही नहीं, जब बिहार के सीएम और डिप्टी सीएम के नामों का महागठबंधन के प्रेस कान्फ्रेंस में ऐलान हुआ, तब भी मुसलमानों ने अपने को उपेक्षित महसूस किया. 3 फीसद से भी कम आबादी वाले वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी को महागठबंधन का डिप्टी सीएम चेहरा घोषित किया गया, जबकि 17 प्रतिशत आबादी वाले मुसलमानों पर गठबंधन ने चुप्पी साध ली. महागठबंधन को मुसलमानों की इस नाराजगी का कोपभाजन बनना पड़. चुनाव नतीजे इस बात की गवाही दे रहे हैं।

तेजस्वी समर्थकों के ठेढ़ बोल

कोई माने या न माने, पर यह सच है कि तेजस्वी की दुर्गति कराने में उनके ही समर्थकों ने बड़ी भूमिका निभाई है. सोशल मीडिया और रैलियों में आक्रामक बयान देकर उन्होंने सवर्णों और गैर यादव ओबीसी जातियों के वोटों को नाराज किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को महागठबंधन की रैलियों में गाली दी गई 'भूरबाल' (भूमिहार, राजपूत, ब्राह्मण और कायस्थ) साफ करो का नारा उछल कर आरजेडी नेताओं-समर्थकों ने सवर्ण वोटरों को नाराज किया. तेजस्वी राज आने पर क्या करेंगे उनके समर्थक, इसे भी सोशल मीडिया पर प्रचारित-प्रसारित किया गया. इससे तेजस्वी की युवा छवि को भी नुकसान हुआ।

नीतीश का बार-बार अपमान

लोकसभा चुनाव के ठीक पहले 2024 में जब नीतीश कुमार ने महागठबंधन से नाता तोड़ लिया तो तेजस्वी यादव उनके प्रति आक्रामक हो गए. उन्हें बूढ़ा, बीमार और लाचार मुख्यमंत्री साबित करने का उन्होंने अभियान छेड़ दिया. राहुल और तेजस्वी ने अपनी रैलियों में नीतीश कुमार को पलटू राम कहा. वोटर अधिकार यात्रा के दौरान इसे खूब दोहराया गया. इससे नीतीश के लव-कुश वोटरों और अति पिछड़ी जातियों में नकारात्मक संदेश गया. महागठबंधन की हार के बाद भाजपा ने कहा भी कि नीतीश का अपमान बिहार का अपमान था।

तेज प्रताप का निष्कासन

आरजेडी की दुर्गति का एक कारण तेज प्रताप यादव भी बने. उनके पिता लालू यादव ने चुनावी से पहले उन्हें पार्टी और परिवार से निष्कासित कर दिया था. इसी साल मई में लालू ने तेज प्रताप को 6 साल के लिए आरजेडी से निकाल दिया था. इससे यह संदेश गया कि जो आदमी परिवार नहीं संभाल सकता, वह सूबा कैसे संभालेगा. तेज प्रताप ने बाद में अपनी अलग पार्टी जनशक्ति जनता दल बना ली थी. महुआ से उन्होंने आरजेडी के खिलाफ चुनाव लड़ा. वे जीत तो नहीं पाए, लेकिन कई सीटों पर उम्मीदवार उतार कर उन्होंने तेजस्वी का खेल बिगाड़ने का काम किया. हार के बाद तेज प्रताप ने तंज भी किया- तेजस्वी फेलस्वी हो गए. तेज प्रताप के कारण यादवों के वोटों में बंटवारा हुआ और यह तेजस्वी के लिए घातक था।

9 महीने में पत्नी को मिली उम्रकैद, भांजे के प्यार में पति का गला दबा दिया था; फिरोजाबाद कोर्ट ने सुनाई सजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में पति की हत्या करने के मामले में कोर्ट ने पत्नी और उसके आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई है. जिला न्यायालय में सुनवाई के दौरान जज ने पति की हत्या के मामले में पत्नी व उसके प्रेमी को दोषी माना है. कोर्ट का ये फैसला करीब नौ महीने बाद आया है. उम्रकैद के अलावा कोर्ट ने दोनों पर अर्थ दंड लगाया. अर्थ दंड न देने पर उनको अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी.

जानकारी के मुताबिक, जिले के थाना खैरगढ़ के गांव बेरनी की रहने वाली रोशनी पत्नी सतेंद्र कुमार के अपने भांजे गोविंद पुत्र चंद्रप्रकाश निवासी अलीनगर केजरा के अवैध संबंध थे. सतेंद्र को जब पत्नी के अवैध संबंधों की जानकारी हुई तो उसने उसे काफी रोकने का प्रयास किया. लेकिन पत्नी अपनी आदतों से बाज नहीं आई. वह अक्सर अपने पति की गैरमौजूदगी में भांजे से मिलती थी. पति द्वारा लगातार अवैध संबंधों का विरोध किए जाने के बाद रोशनी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या का प्लान बनाया. वहीं प्लान के अनुसार पत्नी और उसके प्रेमी ने सतेंद्र कुमार की 14 जनवरी 2025 को गला दबाकर हत्या कर दी थी. सतेंद्र के भाई ने उसकी पत्नी और भांजे के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था.

पुलिस ने निभाई अहम भूमिका

खैरगढ़ पुलिस ने जांच के बाद महिला और उसके प्रेमी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था. मुकदमा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विशेष न्यायाधीश दस्यु प्रभावी क्षेत्र रमेश चंद्र द्वितीय कोर्ट संख्या 8 की अदालत में चला. पीड़ित पक्ष की तरफ से मुकदमे की पैरवी सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी अजय कुमार शर्मा ने की. कोर्ट में सुनवाई के दौरान कई गवाहों ने गवाही दी. हत्या से जुड़े कई साक्ष्य कोर्ट में पेश किए गए. गवाहों की गवाही तथा साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने प्रेमी गोविंद व मृतक की पत्नी रोशनी को दोषी माना. कोर्ट ने सुनवाई के दौरान दोषी करार होने पर दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई. इसके अलावा दोनों पर 20-20 हजार रुपया अर्थ दंड भी लगाया है. अर्थ दंड न देने पर उनको एक एक वर्ष की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी.

24 घंटे में खुलासा और 300 दिनों में दिलाई सजा

एसएसपी सौरभ दीक्षित ने कहा कि खैरगढ़ में हुई युवक की हत्या में महिला और उसके प्रेमी को सजा दिलाने में पुलिस ने अहम भूमिका निभाई. करीब नौ महीने की कार्यवाही के बाद कोर्ट ने दोनों आरोपियों को साक्ष्यों के आधार पर सजा दी है. घटना के खुलासे के लिए एसओजी और सर्विलांस सहित दो पुलिस टीमों का गठन किया था. घटना का सफल खुलासा करते हुए 24 घंटे में नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया था. विवेचक निरीक्षक मनोज कुमार ने आरोपी गोविन्द व आरोपी रोशनी के खिलाफ केवल 35 दिन में भौतिक साक्ष्य आदि एकत्र करते हुए जांच के बाद कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया था. पुलिस द्वारा प्रभावी पैरवी करते हुए आरोपी गोविन्द व आरोपी रोशनी को केवल 300 दिन में ही दोनों को उम्रकैद और 20-20 हजार रुपए के अर्थदण्ड की सजा कराई है. सजा दिलाने में थाना प्रभारी खैरगढ़, जांच निरीक्षक मनोज कुमार, शिकायतकर्ता अजय कुमार शर्मा, पुलिस मॉनिटरिंग सेल और पैरोकार हैड कांस्टेबल योगेश शर्मा की अहम भूमिका रही.

आतंकी उमर धमाके वाली कार में था, DNA टेस्ट से कन्फर्म, खुद को क्यों उड़ाया? दिल्ली ब्लास्ट में खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली कार ब्लास्ट केस में बड़ा खुलासा हुआ है. सोमवार की शाम को चांदनी चौक पर लाल किले के पास धमाके वाली कार में आतंकी डॉक्टर उमर खुद मौजूद था. उसने कार में ही खुद को उड़ा लिया. DNA टेस्ट से इस बात की पुष्टि हो गई है. इससे यह भी साफ हो गया कि आतंकी उमर जानबूझकर बम धमाका करना चाहता था. सोमवार को उमर ने लाल किले के मेट्रो गेट नंबर 1 के पास कार में विस्फोट किया था. इस आतंकी हमले में 12 लोगों की मौत हो गई. इसमें उमर भी शामिल है.

दरअसल, लाल किले के पास कार में हुए धमाके में आतंकी उमर मारा गया या नहीं, इसे लेकर काफी सस्पेंस था. पुलिस और एजेंसियों ने उसकी मौत को कन्फर्म करने के लिए डीएनए टेस्ट करवाया. पुलवामा से उसकी मां को हिरासत में लिया गया. आतंकी उमर की मां का डीएनए सैंपल लिया गया. इसके बाद लाल किले के पास मिले अवशेषों से मिलान किया गया. तब जाकर डीएनए टेस्ट से मैच हो पाया. अब यह साफ हो गया है कि आतंकी उमर ने उस हमले में खुद को उड़ाया था. वह जानबूझकर लाल किले के पास धमाका करना चाहता था.

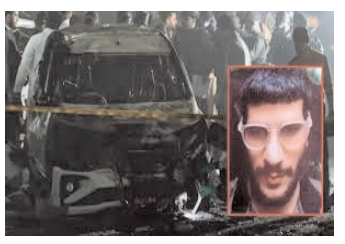

क्यों खौफजदा था आतंकी उमर

सूत्रों की मानें तो आतंकी उमर को पुलिस से पकड़े जाने का डर सता रहा था. फरीदाबाद में विस्फोटक मिलने और उसके साथियों की गिरफ्तारी सोमवार की सुबह ही हो गई थी. आतंकी डॉक्टर उमर किसी तरह भागने में कामयाब रहा था. उसके पास कुछ विस्फोटक पहले से थे. वह दिल्ली में धमाके से पहले कई जगह मौत वाली कार को घुमाता रहा. कभी मयूर विहार तो कभी फरीदाबाद तो कभी क्नॉट प्लेस में आतंकी उमर को देखा गया. इसके बाद वह लाल किले की पार्किंग में करीब 3 घंटे तक रहा. वह बम को और घातक बनाने के लिए तीन घंटे तक दिमाग लगाता रहा. आखिरकार शाम में उसने पैनिक होकर लाल किला मेट्रो गेट नंबर एक के पास उसे ब्लास्ट कर दिया.

फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल के बाद धमाका

दरअसल, लाल किले के पास ब्लास्ट फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल के सामने आने के बाद हुआ. हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी से 2,900 किलोग्राम से अधिक विस्फोटक और गोला-बारूद बरामद होने के कुछ ही घंटों बाद सोमवार शाम आतंकी उमर ने लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार में विस्फोट किया था. उस विस्फोट में बारह लोग मारे गए और कई घायल हो गए. इस बरामदगी से डॉक्टरों से जुड़े एक आतंकवादी नेटवर्क का पर्दाफाश हो गया, जो कथित तौर पर अखिल भारतीय हमलों की योजना बना रहे थे.

दिल्ली ब्लास्ट मामला: प्वाइंटर्स में जानिए

i20 कार चलाने वाला शख्स कोई और नहीं बल्कि डॉक्टर उमर ही था.

DNA रिपोर्ट आने के बाद इस बात की पुष्टि हुई है.

जांच एजेंसियों ने डॉक्टर उमर की मां के DNA सैंपल्स को i20 कार से मिली हड्डियों और दांतों के DNA सैंपल्स से मैच करवाया था.

डॉक्टर उमर की मां के DNA सैंपल्स i20 कार से मिली हड्डियों और दांतों के DNA सैंपल्स से मैच कर गए हैं.

संक्षिप्त ख़बरें

सरकार के पास प्रत्येक मुद्दे से निपटने के लिए स्पष्ट नीति है: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि शहर की समस्याओं के समाधान में समय लग सकता है, लेकिन सरकार के पास प्रत्येक मुद्दे को हल करने के लिए स्पष्ट नीति और दृढ़ इरादा है। वह तेहखंड बस डिपो में स्वचालित परीक्षण स्टेशन के शिलान्यास समारोह में बोल रही थीं। गुप्ता ने कहा, ''सरकार प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए काम कर रही है। हम इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखा रहे हैं और इस परीक्षण केंद्र की आधारशिला रख रहे हैं। हम झुलझुली और बुराड़ी परीक्षण इकाइयों की क्षमता बढ़ा रहे हैं। नंद नगरी में भी एक परीक्षण केंद्र बनाया जा रहा है।'' विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने उन पर ढेरों समस्याएं छोड़कर जाने का आरोप लगाया। गुप्ता ने कहा, ''वे हमसे प्रदूषण पर सवाल पूछते हैं। दिल्ली में 15 साल और 11 साल तक चलने वाली सरकारें कहां हैं? पिछली सरकार ने अपने कार्यकाल में 2,000 बसें खरीदीं, जबकि भाजपा सरकार ने सिर्फ़ आठ महीनों में दिल्ली में 1,350 इलेक्ट्रिक बसें ला दी हैं।'' बहरहाल, उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार कूड़े के पहाड़ों से लेकर यमुना के पुनरुद्धार तक सभी मोर्चों पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''दिल्ली की समस्याओं के समाधान में कुछ समय लग सकता है, लेकिन दिल्ली की समस्याओं को हल करने के लिए सरकार की नीति और नीयत स्पष्ट है।'' इस बीच, गुप्ता ने शुक्रवार को तेहखंड और तुगलकाबाद क्षेत्रों का दौरा कर वहां स्वच्छता अभियान की समीक्षा भी की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि कचरा प्रबंधन निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाए। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली सरकार प्रदूषण से निपटने और स्वच्छता बनाए रखने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''आज मैंने दिल्ली में चल रहे व्यापक स्वच्छता अभियान की समीक्षा के लिए तेहखंड और तुगलकाबाद क्षेत्रों का दौरा किया। मैंने प्रस्तावित कचरा संग्रहण स्थलों और स्थायी कम्पैक्टर स्थलों का भी निरीक्षण किया।'' उन्होंने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कूड़ा प्रबंधन पूरी मुस्तैदी और समयबद्ध तरीके से किया जाए।

शत्रुघ्न सिन्हा क्या घर वापसी की तैयारी कर रहे, NDA की जीत से हुए गदगद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की एकतरफा जीत के बाद भाजपा से बगावत करने वाले पुराने दिग्गज भी अब बैकफुट आते दिख रहे हैं. राज्य में जेडीयू-भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 202 सीटें मिली हैं. यह एक बहुत बड़ी जीत है. 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली भाजपा और जेडीयू को क्रमशः 89 और 85 सीटें मिली हैं. इस चुनाव परिणाम ने चंद रोज पहले तक बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार का दौर खत्म होने की भविष्यवाणी करने वालों को करारा जवाब दिया है. नीतीश कुमार ने एक बार साबित कर दिया है कि बिहार के नब्ज को उनसे बेहतर कोई नहीं समझ सकता. ऐसे में अब पुराने बागी भी नीतीश और भाजपा की प्रशंसा करते नहीं थक रहे हैं।

इस सूची में सबसे प्रमुख नाम है टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा का. बॉलीवुड के 'शॉटगन' शत्रुघ्न सिन्हा ने इस शानदार जीत पर जेडीयू और भाजपा को दिल खोलकर बधाई दी है. इस एक्स पर एक पोस्ट में शत्रुघ्न सिन्हा ने लिखा है-

बधाई हो! बिहार के लोगों को उनकी पसंद की सरकार, जिसके लिए उन्होंने वोट

दिया और सबसे सम्मानित, सज्जन राजनेता @NiteshKumar के नेतृत्व के लिए, जो बिहार के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले, भरोसेमंद, आजमाए हुए, परखे हुए और सफल मुख्यमंत्री रहे हैं. उन्होंने लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने का काम किया है. उनके आसपास के सभी लोगों और पार्टियों को भी बधाई. ईश्वर सबका भला करे और सभी को बधाई. जय बिहार! जय हिंद!

पीएम मोदी को दी थी बधाई

इससे पहले उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को भी उन्होंने उनको बधाई दी थी और उनके साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर शेयर की थी. उस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा था- एक बार के दोस्त हमेशा दोस्त होते हैं. शत्रुघ्न सिन्हा अटल बिहारी वाजपेयी-लालकृष्ण आडवाणी के दौर के बड़े भाजपा नेता थे. वह 1980 के दशक में भाजपा से जुड़े थे. वह 1990 में पहली बार भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा और दिल्ली की न्यू दिल्ली सीट से सांसद चुने गए. यह जीत उनके राजनीतिक करियर की शुरुआत थी।

इसके बाद वह 1991 में भी इस सीट से जीते. उनकी लोकप्रियता और पार्टी के प्रति निष्ठा ने उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दिलाईं. 2002-03 में वे केंद्रीय जहाजरानी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बने और 2003-04 में केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री के रूप में कैबिनेट में शामिल हुए. 2009 और 2014 में वह ने पटना साहिब लोकसभा सीट से भाजपा के टिकट पर जीत हासिल की. इसके बाद हालांकि पार्टी नेतृत्व के साथ उनके रिश्ते ठीक नहीं रहे. 2019 में मतभेद चरम पर पहुंचे और सिन्हा को पटना साहिब से टिकट नहीं मिला. इसके बाद उन्होंने भाजपा छोड़कर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल होने का फैसला किया. 2024 के आम चुनाव में वह टीएमसी के टिकट पर आसनसोल से सांसद हैं. लेकिन, बीते कुछ समय से वह जिस तरह से भाजपा और एनडीए नेतृत्व की तारीफ कर रहे हैं उससे संभावना जताई जा रही है कि वह आने वाले वक्त में घर वापसी करने की सोच रहे हैं।

राष्ट्रपति द्वारा नीट-विरोधी विधेयक को मंज़ूरी न देने के बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंची तमिलनाडु सरकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- तमिलनाडु सरकार ने शनिवार (15 नवंबर) को सुप्रीम कोर्ट का रुख करते हुए राष्ट्रपति के उस विधेयक को मंज़ूरी न दिए जाने के फैसले को चुनौती दी, जो राज्य को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के तहत मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश देने से छूट देता है. ज्ञात हो कि तमिलनाडु विधानसभा में 2021 में 'तमिलनाडु स्नातक चिकित्सा डिग्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश विधेयक, 2021% पारित किया था, जिसके कानून बनने के बाद राज्य में नीट परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए मेडिकल कॉलेजों में कक्षा 12 में प्राप्तांक के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा. बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार ने अपनी याचिका में कहा कि राष्ट्रपति द्वारा विधेयक को मंजूरी न दिए जाने के फैसले से संवैधानिक गतिरोध पैदा हो गया है. वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन ने अधिवक्ता मीशा रोहतगी के माध्यम से यह मुकदमा दायर किया. राज्य सरकार ने कहा कि नीट शहरी, संपन्न, सीबीएसई से शिक्षित छात्रों के लिए फायदेमंद है, जबकि ग्रामीण पृष्ठभूमि के वंचित छात्रों के लिए नुकसानदेह है, जो सरकारी और ज़्यादातर तमिल माध्यम के स्कूलों में पढ़े हैं. 2021 के विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ से पहले राज्यपाल के पास भेजा गया था,

वहीं राज्य सरकार ने केंद्रीय मंत्रालयों की आपत्तियों और स्पष्टीकरणों का उत्तर भी दिया था. इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति की सहमति बिना कोई कारण बताए यंत्रवत् अस्वीकार कर दी गई और 4 मार्च को राज्यपाल सचिवालय के माध्यम से इसकी सूचना दी गई. अपनी याचिका में राज्य सरकार कहा, 'यह मुकदमा संविधान की व्याख्या के संबंध में कानून का एक बड़ा प्रश्न उठाता है, जिसमें राज्य की विधायी स्वायत्तता, संवैधानिक संघवाद, अनुच्छेद 201, अनुच्छेद 254(2) (यदि कोई राज्य कानून किसी मौजूदा केंद्रीय कानून के प्रतिकूल पाया जाता है) के दायरे और अनुच्छेद 47 के तहत चिकित्सा शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित करके जन स्वास्थ्य की रक्षा करने के राज्य के प्राथमिक कर्तव्य से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न उठते हैं.'

इसमें यह भी कहा गया है कि केंद्र द्वारा समान रूप से लागू किए जाने के बाद से 2017 से ही नीट ने तमिलनाडु में 'संतुलन' को बिगाड़ दिया है और इसके परिणामस्वरूप पहली पीढ़ी के छात्र सरकारी स्कूलों से बाहर हो गए हैं. तमिलनाडु सरकार ने कहा, 'नीट प्रणाली ने एक समानांतर और अत्यधिक व्यावसायिक कोचिंग उद्योग को बढ़ावा दिया है, जो अब सालाना हज़ारों करोड़ रुपये कमाता है. आंकड़ों से पता चलता है कि तमिलनाडु में नीट के बाद एमबीबीएस में दाखिला पाने वाले 70% से ज़्यादा छात्र 'रिपीटर' हैं, जबकि सरकारी स्कूलों से पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी प्रभावी रूप से इससे बाहर हो जाते हैं.' ज्ञात हो कि इसी साल अप्रैल में सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि द्वारा द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) सरकार के विधेयकों को रोकने की कार्रवाई को 'गलत और गैरकानूनी' करार दिया था और कहा था कि किसी भी राज्यपाल के पास निर्वाचित जनादेश वाले और लोगों के प्रति सीधे जवाबदेह विधायिका द्वारा लिए गए फैसलों को अनिश्चित काल के लिए रद्द करने का अधिकार नहीं है.

मेरठ में रिंग रोड निर्माण फंसा, भूमि खरीद की जिम्मेदारी को लेकर मेडा और PWD में खींचतान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मेरठ। हापुड़ रोड से दिल्ली रोड होते हुए दिल्ली-दून बाईपास तक रिंग रोड तब बनेगी जब इसके लिए जमीन खरीद ली जाएगी। अभी यही स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि भूमि खरीद कौन सा विभाग करेगा। मेडा और पीडब्ल्यूडी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं। इसे देखते हुए अब ऊर्जा राज्यमंत्री व क्षेत्रीय विधायक ने हस्तक्षेप किया है। उन्होंने कमिश्नर को पत्र लिखकर मांग रखी है कि भूमि खरीद की प्रक्रिया मेडा से कराई जाए। राज्यमंत्री का दावा है कि अब मेडा ही भूमि खरीद करेगा इसका निर्णय हो गया है। मेरठ विकास प्राधिकरण (मेडा) की बोर्ड बैठक में निर्णय हुआ था कि जमीन की खरीद पीडब्ल्यूडी करेगा और सड़क भी यही विभाग बनाएगा। यह भी तय हुआ था कि रिंग रोड की जमीन खरीदने के लिए 100 करोड़ रुपये मेडा देगा जबकि 62 करोड़ रुपये शासन से मिलेंगे।

रिंग रोड निर्माण के लिए 15 हेक्टेयर जमीन खरीदी जाएगी। रिंग रोड के लिए एलाइनमेंट सर्वे हो चुका है। अब जमीन खरीदनी बाकी है। ऊर्जा राज्यमंत्री ने कहा कि पीडब्ल्यूडी के पास स्टाफ की कमी है, इसलिए मेडा से भूमि खरीद की प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। उन्होंने इस संबंध में कमिश्नर से चर्चा कर ली है। हालांकि कमिश्नर भानु चंद्र गोस्वामी का कहना है कि विभागीय बैठक बुलाकर समाधान निकाला जाएगा।

62 करोड़ रुपये है मुख्य अवरोध,

यही टालमटोल की जड़

एक दूसरे पर भूमि खरीद की जिम्मेदारी डालने के पीछे सबसे बड़ा कारण 62 करोड़ रुपये है। अब तक भूमि की खरीद नहीं हो पाई है इसका कारण भी यही है। दरअसल, भूमि खरीद पर 162 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके लिए 100 करोड़ रुपये मेडा अपने कोष से देगा जबकि 62 करोड़ रुपये देने का वादा शासन ने किया था। शासन से यह धनराशि पीडब्ल्यूडी को मिलेगी। शासन से इस धनराशि पर सिर्फ वादे हुए हैं लेकिन न कार्यवृत्त आया है न ही कोई पत्र। मेडा को आशंका है कि कहीं ऐसा न हो कि 100 करोड़ रुपये खर्च कर दे और 62 करोड़ रुपये न मिलने से अटक न जाए। यही डर पीडब्ल्यूडी को भी है।

देखते रहे लोग... मरती रही इंसानियत

इंसानियत की लाश पर खड़ा ये आधुनिक समाज

मरती ज़िंदगी का लाइव वीडियो – समाज की शर्मनाक कहानी

भीड़ थी। लोग थे। मोबाइल थे। कैमरे थे। बस इंसान नहीं थे। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में जो हुआ, वह सिर्फ एक युवती की हत्या नहीं थी–वह हमारी संवेदनाओं, हमारी मानवता और हमारी सामूहिक हिम्मत की भी निर्मम हत्या थी। बीच बाज़ार, दोपहर का वक्त, भीड़ भरा चौक–और अचानक एक युवक ने चाकू निकाला, अपनी प्रेमिका का गला रेता, वह ज़मीन पर गिर पड़ी, खून बहता रहा और लोग? लोग बस देखते रहे। कोई वीडियो बना रहा था, कोई लाइव अपडेट दे रहा था, कोई बस चीख रहा था–लेकिन कोई आगे नहीं बढ़ा। किसी ने उस सिरफिरे को रोकने की कोशिश नहीं की। किसी ने उस युवती का हाथ थामने, उसकी ज़िंदगी बचाने की कोशिश नहीं की। यह कैसा समाज बन गया है हमारा? जहाँ मरती हुई लड़की को देखकर लोग 'क्लिप' बनाते हैं, 'कमेंट' करते हैं, लेकिन 'कदम' नहीं बढ़ाते। जहाँ इंसान की मौत अब 'कंटेंट' बन चुकी है। आज सोशल मीडिया के दौर में हम सब रिपोर्टर बन गए हैं, पर इंसान रहना भूल गए हैं। हर घटना को हम पहले कैमरे में कैद करना चाहते हैं, ताकि बाद में उसे शेयर कर सकें– 'देखो, मैं वहाँ था!' पर कोई यह नहीं सोचता कि, 'अगर मैं वहाँ था, तो मैंने क्या किया?' बालाघाट की यह घटना सिर्फ एक लड़की की नहीं, हर उस इंसान की कहानी है जिसे भीड़ ने मरने के लिए छोड़ दिया। समनापुर चौक पर भीड़ थी–सैकड़ों लोग मौजूद थे। अगर उनमें से पाँच लोग भी हिम्मत दिखा देते, तो शायद एक ज़िंदगी बच सकती थी। पर हम सब अब डर के खोल में जीते हैं–'कोई और कर लेगा', 'क्यों पड़े मुसीबत में', 'मुझे क्या लेना-देना'। यही 'मुझे क्या' वाली सोच अब हमारे समाज की सबसे बड़ी बीमारी बन चुकी है। कहते हैं, अपराधी से बड़ा अपराधी वह होता है जो अपराध होते हुए चुप रहता है। यह चुप्पी, यह निष्क्रियता ही आज हमारे समय का सबसे बड़ा पाप है। वह युवक–जो अपनी प्रेमिका का गला रेत रहा था–एक क्षण के लिए भी नहीं रुका। क्योंकि उसे पता था कि कोई नहीं रोकेगा। उसे पता था कि भीड़ बस तमाशा देखेगी। और हुआ भी वही। लोग चिल्लाते रहे, लेकिन दूर से। किसी ने आगे बढ़कर कुछ नहीं किया। कइयों ने वीडियो बनाया, ताकि शाम को 'व्हाट्सऐप स्टेटस' डाल सकें– 'शॉकिंग इवेंट इन बालाघाट।' यह कैसी 'सभ्यता' है जहाँ संवेदनाएँ मर चुकी हैं, जहाँ बहादुरी की जगह बेशर्मी ने ले ली है, जहाँ इंसान के खून से ज्यादा 'व्यूज़' की कीमत है? बालाघाट की यह घटना कोई 'अलग मामला' नहीं है, बल्कि पूरे समाज की तस्वीर है। आज हर शहर, हर गली, हर मोड़ पर इंसानियत सांसें तो ले रही है, मगर ज़िंदा नहीं है। कोई महिला सड़क पर थप्पड़ खाए, कोई बच्चा ठोकर खाकर गिरे, कोई बुज़ुर्ग फुटपाथ पर बेहोश हो जाए–तो लोग दौड़कर मदद नहीं करते, बल्कि जेब से मोबाइल निकालते हैं। दर्द अब 'कंटेंट' बन चुका है, और करुणा 'डेटा पैक' में समा गई है। हम उस दौर में पहुँच गए हैं जहाँ मोबाइल की नीली रोशनी ने इंसान की आँखों की लाज निगल ली है। जहाँ कैमरे का फोकस तो चुभने लायक साफ़ है, पर दिल का ज़मीर धुँध में खो गया है। अब इंसानियत की पुकार नहीं सुनाई देती–बस नोटिफिकेशन की टिंग सुनाई देती है। क्या हमारा डर अब इतना विशाल हो गया है कि किसी की जान बचाना हमें 'खतरा' लगने लगा है? क्या हम इतने असहाय हो गए हैं कि अपराध रोकने की बजाय उसकी रिकॉर्डिंग में सुकून ढूँढते हैं? क्या अब कानून का भय उन हाथों को नहीं बाँध देता है, जो किसी ज़रूरतमंद की मदद करना चाहते हैं? अगर हाँ–तो सच मानिए, समाज अब साँस तो ले रहा है, पर ज़िंदा नहीं है। हम सड़कों पर चलते हैं, दफ़्तरों में काम करते हैं, मंदिरों में सिर झुकाते हैं, पर भीतर से सब मर चुके हैं। अब हम इंसानों की भीड़ नहीं, बस एक चलती फिरती लाशों की बारात हैं–जो इंसानियत की मिट्टी ढो रही है, दिन-रात, बेख़बर, बेजान। हर व्यक्ति को खुद से यह सवाल पूछना होगा–अगर कल मेरे सामने कोई मर रहा हो, क्या मैं मदद करूंगा या वीडियो बनाऊंगा? अगर जवाब 'मैं मदद करूंगा' है, तो फिर वक्त है अभी से शुरुआत करने का। हर छोटे से छोटे मौके पर–किसी को गिरते देख उठाने में, किसी अनजान के आँसू पोंछने में, किसी घायल को अस्पताल पहुँचाने में। यही वो छोटे कदम हैं जो समाज में बड़ा बदलाव लाते हैं। हमारे देश में कानून भी स्पष्ट कहता है – 'गुड समेरिटन' यानी नेक इरादे से मदद करने वाला कभी सज़ा का हकदार नहीं होता। तो फिर डर किस बात का? डरना छोड़िए, आगे बढ़िए। दुनिया को और कानून को नहीं, अपने ज़मीर को जवाब दीजिए। बस ज़रूरत है दिल के भीतर सोई इंसानियत को जगाने की–क्योंकि जब एक इंसान हिम्मत दिखाता है, तभी इंसानियत ज़िंदा रहती है।

बालाघाट की वह युवती अब इस दुनिया में नहीं है–पर उसकी आख़िरी चीख, उसकी वह टूटी हुई पुकार 'कोई तो रोक लो' अब भी हवाओं में तैर रही है। वह आवाज़ हर उस इंसान को पुकार रही है जो उस दिन चुप रहा, जो बस देखता रहा, जो अपनी खामोशी से कातिल का साथी बन गया। वह युवती मरी, पर सिर्फ एक शरीर नहीं गिरा–गिरा तो हमारा ज़मीर, हमारी इंसानियत, हमारा साहस। क्योंकि जब समाज तमाशबीन बन जाता है, तब खंजर सिर्फ हाथ में नहीं होता, वह हर उस आँख में होता है जो चुपचाप देखती रहती है। अपराधी अकेला नहीं था–हम सब वहाँ खड़े थे, अपने-अपने कैमरों में ज़िंदगी का आख़िरी दृश्य कैद करते हुए। और उस एक पल में, हमने इंसानियत को मार दिया। अब वक्त है कैमरे नीचे रखने का और हिम्मत उठाने का। ताकि अगली बार कोई लड़की मरे नहीं, कोई माँ बिलख न जाए, बल्कि यह कहा जा सके–'इस बार किसी ने चुप नहीं देखा। इस बार किसी ने इंसान बनकर साथ दिया।'

प्रो. आरके जैन

संपादकीय

बांग्लादेश में समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली और अल्पसंख्यक समुदाय को सत्ता रही हिंसा की आशंका

भारत की भागीदारी से जिस बंग्लादेश को अलग देश बनाया गया।वही आज हिन्दू अल्पसंख्यक हिंसा के शिकार हो रहे है।भारत के राजनयिक सम्बंधो को दरकिनार कर शेख हसीना का तख्तापलट करने वाले कट्टरपंथी समाज अल्पसंख्यक हिन्दुओ के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे है।बांग्लादेश दक्षिण एशिया में एक मुस्लिम बहुल राष्ट्र है जहाँ लगभग 8% से अधिक आबादी हिन्दू अल्पसंख्यक हैं। जम्मा ए-इस्लामी जैसे इस्लामवादी एवं धर्मनिरपेक्ष राजनीति में सक्रिय समूह देश की राजनीतिक सामाजिक तस्वीर को जटिल बना देते हैं। इसके अतिरिक्त, राजनीतिक दलों और सरकार के बीच सत्ता-संघर्ष के कारण यही जनसंघर्ष अक्सर सामाजिक तथा धार्मिक अल्पसंख्यकों को प्रभावित करता रहा है।वर्तमान में बांग्लादेश में समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली की अवधारणा उस बदलाव के संदर्भ में उठ रही है जिसे छात्र आंदोलन, नागरिक समाज और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने मांग किया है। हालांकि, स्पष्ट रूप से यह प्रणाली देश में लागू है या नहीं,यह सवाल बना हुआ है। एक सरकारी जानकारी के मुताबिक जुलाई-अगस्त 2024 के छात्र-आंदोलनों के बाद नया अंतरिम सरकार चुनावी सुधार एवं प्रशासनिक सुधार की दिशा में काम कर रही है।समानुपातिक प्रतिनिधित्व का उद्देश्य है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व सिर्फ बहुमत वाले धड़ों तक सीमित न रहे बल्कि जाति, धर्म, क्षेत्र, लिंग आदि विविध समूहों को भी संसद-स्थानिक शासन में उचित भागीदारी मिले। यदि इस तरह की प्रणाली बांग्लादेश में पूरी तरह लागू हो जाए, तो अल्पसंख्यकों-विशेषकर हिन्दुओं के लिए बेहतर प्रतिनिधित्व संभव हो सकता है। जमात -ऐ-इस्लाम (जमात) बांग्लादेश में इस्लामी विचारधारा वाले प्रमुख राजनीतिक संगठन है जिसे कई आलोचकों द्वारा कट्टरवाद और अल्पसंख्यकों विरोधी कार्रवाई से जोड़ा गया है। उदाहरण के लिए जुलाई-अगस्त 2024 के दौरान छात्र-आंदोलन हिंसक मोड़ लेने पर जमात-छात्र संगठन (Islami Chhatra Shibir) सहित कुछ इस्लामी समूहों पर हिंसा भड़काने का आरोप लगा था। इन आंदोलनों तथा रैलियों का उद्देश्य अक्सर सरकार-नीति से असन्तुष्ट आवाज उठाना, प्रशासनिक सुधार की मांग करना, या सत्ता-विग्रह की स्थिति बनाना रहा है। हालांकि, जब यह प्रदर्शन हिंसात्मक बने, तो सामाजिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर गंभीर असर हुआ। शेख हसीना के विरुद्ध13 नवम्बर को सजा-घोषणा भारत मे रह रही शेख हसीना को 13 नवम्बर को सजा सुनाने की प्रकिया शुरू होगी।हाल के वर्षो में बांग्लादेश में राजनीतिक- हिस्सेदारी के चलते कई बड़े मुकदमों और सजा-घोषणाओं की चर्चाएँ हुई हैं।शेख हसीना की सजा के संदर्भ में जहाँ तक देखा जा सकता है, ऐसा कोई स्पष्ट निर्णय नहीं मिल रहा है कि उन्हें सजा सुनाई गई हो। लेकिन उन पर इस्तीफा और सत्ता-परिवर्तन जैसी महत्वपूर्ण घटनाएँ हुई हैं। जुलाई-अगस्त 2024 के छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना ने 5अगस्त 2024 को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। ऐसे में यदि सजा से उनका पदच्युत होना या किसी अन्य कानूनी कार्रवाई को हम समझ रहे हैं, तो यह टिप्पणी योग्य है कि राजनीतिक अस्थिरता एवं हिंसा-प्रवण माहौल ने देश में कानून-व्यवस्था को तलहटी पर ला दिया है। बांग्लादेश में हाल के वर्षो में राजनीतिक आंदोलन, प्रदर्शन, छात्र आन्दोलन, सांप्रदायिक तनाव अल्पसंख्यकों विशेषकर हिन्दुओं के विरुद्ध हिंसा के कई प्रमाण सामने आए हैं। जुलाई 2024 में बांग्लादेश के कई विश्वविद्यालयों में छात्र-छात्राओं ने सरकारी नौकरी में कोटा प्रणाली, प्रशासनिक असमानताओं और अन्य सामाजिक-शिक्षण मुद्दों के खिलाफ आन्दोलन खड़ा किया था। इसके जवाब में सरकार ने इंटरनेट बंदी, कर्फ्यू, सेना-पुलिस तैनाती जैसे उपाय अपनाए। मानवाधिकार संगठनों ने सूचना दी है कि इन प्रदर्शनकारियों पर पुलिस व सुरक्षा बलों द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग हुआ । आरयूबीरू (rubber bullets), लाइव गोलियां, कंधे-पीछे निशाने, आदि रही है। प्रदर्शनों तथा राजनीतिक उथल-पुथल के बीच हिन्दू अल्पसंख्यक समुदाय विशेष रूप से प्रभावित रहा है। अगस्त 2024 में हिन्दू व्यापारियों ने शिकायत की कि जब शेख हसीना इस्तीफा देने के बाद प्रदर्शनकारी घरों-दुकानों पर हमला कर रहे थे, तो हिन्दू व्यवसायों को निशाना बनाया गया। हिन्दू मंदिरों, पूजा-स्थलों तथा समुदाय के सामाजिक चिन्हों पर हमले की खबरें आईं। यह स्थितियाँ यह इंगित करती हैं कि राजनीतिक अस्थिरता समय में अल्पसंख्यक की सुरक्षा कमजोर हो जाती है।क्योंकि भीड़-भिड़ समुदायों-विरोधी रुख अपना सकती है, या सुरक्षा तंत्र असमर्थ रह सकती है।

सामाजिक भरोसा टूट रहा है।हिन्दू-मुस्लिमअल्पसंख्यक-बहुसंख्यक बीच मेंराजनीतिक प्रतिनिधित्व एवं सुरक्षा की कमी गंभीर चिंता का विषय बन गई है।सरकार-सत्ताधारी दल तथा विपक्ष-पक्षी दलों के बीच कट्टरता और प्रतिशोध की प्रवृत्ति बढ़ गई है, जिससे कानून-व्यवस्था पर दबाव बढ़ा है। बांग्लादेश में समानुपातिक प्रतिनिधित्व का महत्व और चुनौतियाँ को देखते हुए अल्पसंख्यक समुदाय के लिए गम्भीर संकट है। समानुपातिक प्रतिनिधित्व का मॉडल उस स्थिति से बेहतर माना जाता है जहाँ एक ही धड़े द्वारा अधिकांश बहुमत जीत ले और अन्य छोटे-वोटर समूह अनदेखे रह जाएँ। यदि बांग्लादेश में PR लागू हुआ या हो रहा है, तो इसके निम्न लाभ-हानि व्याख्यायित किये जा सकते हैं। अल्पसंख्यकों जैसे हिन्दू को संसद-विधान परिषद में बेहतर भागीदारी मिल सकती है। राजनीतिक दलों को वोट-विभाजन तथा विविधता को धारण करना पड़ेगा, जिससे ध्रुवीकरण कम हो सकता है। सामाजिक न्याय व समावेश नीति को बढ़ावा मिलता है। राजनीतिक-संस्थागत संरचना सेक्युलर बनाम धर्मनिरपेक्ष, सेना-साहाय, प्रशासनिक प्रभाव ने PR को अपनाना कठिन बना दिया है।हिंसा और ध्रुवीकरण के कारण छोटे समूहों का डर और असुरक्षा बनी रहती है।यदि सत्ता-संघर्ष और हिंसा बनी रही, तो PR सिर्फ नाम का बदलाव हो सकता है, मूल सामाजिक सुरक्षा नहीं बनी।यदि हिन्दू समुदाय PR के लाभ उठा सकें, तो उन्हें सक्रिय-पोलिटिकल भागीदारी, सामाजिक-संरक्षण तथा स्थानीय स्तर पर प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना होगा।सामुदायिक संगठन बनाएँहिन्दू समुदाय को स्थानीय-स्तर पर संगठित होना चाहिए ।मंदिरों, पूजा-स्थलों, व्यवसाय समुदायों के बीच नेटवर्क हो। इससे किसी भी हिंसा या उत्पीड़न की स्थिति में जल्दी प्रतिक्रिया संभव हो सकेगी।राजनीतिक विरोधाभास, छात्र आंदोलन, जनमत रैली इत्यादी के समय सामाजिक तनाव बढ़ सकता है। इस दौरान हिन्दू-व्यापार, पूजा-स्थल, सार्वजनिक जगहों पर सावधानी बरतें।यदि रैली या विरोध प्रदर्शन होने जा रहा हो, तो वहाँ से थोड़ी दूरी बनाए रखें।स्थानिक पुलिस- स्टेशन, सामुदायिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं से पहले-से संपर्क बनाए रखें।पूजा-स्थलों व हिन्दू-आयोजन के समय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें। प्रवेश-नियंत्रण, सीसीटीवी, स्थानीय पुलिस-सहाय।यदि किसी समूह द्वारा धमकी मिल रही हो, तुरंत दर्ज करें और समुदाय-सहाय जुटाएँ।संपत्ति-व्यवसाय के भवनों, दुकानों पर विशेष निगरानी रखें, विशेष रूप से राजनीतिक अशांति के दौरान। राजनीतिक भागीदारी बढ़ाएँ स्थानीय चुनावों, पंचायत नगर-स्तर शासन में हिन्दू प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की कोशिश करें।राजनीतिक दलों से संवाद रखें और पहचान बनाएं कि हिन्दू-समुदाय मात्र वोट बैंक नहीं बल्कि सक्रिय भागीदार है। चुनावी समय में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी वोटिंग करें एवं स्थानीय नेताओं को जवाबदेह बनाएं कि वे अल्पसंख्यकों-हित में काम करें।कानूनी जानकारी एवं समर्थन जुटा जात-धर्म-आधारित उत्पीड़न, अल्पसंख्यक-विरोधी हमले आदि की जानकारी रखें, और आवश्यक कानूनी सहायता के लिए संपर्क रखें।सामाजिक संगठनों-मानवाधिकार समूहों की सहायता लें, राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय प्लेटफार्मों को उपयोग करें। मीडिया में सूचना पहुँचाएँ, सोशल मीडिया-नेटवर्क को जागरूक करें। सामुदायिक सामाजिक-संबंध बनाएँ। अन्य धर्म-समुदायों, मुसलमानों, स्थानीय प्रशासन एवं नागरिक समाज से संवाद बनाएँ।यह निष्पक्ष सहयोग अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण है। शिक्षा-प्रचार, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सह-अस्तित्व और आपसी भरोसा बढ़ाएँ। स्वयं-रक्षा-संबंधी जागरूकता अभियान चलाएँ कि किस प्रकार तनाव-वाले समय में प्रतिक्रिया की जाए, किन स्थितियों में पुलिस-प्रशासन से संपर्क करें। बांग्लादेश में समानुपातिक प्रतिनिधित्व की दिशा में संभावनाएँ खुल रही हैं, लेकिन राजनीति-सामाजिक अस्थिरता, हिंसा-प्रवण माहौल और अल्पसंख्यकों के प्रति बढ़ते खतरे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सिर्फ कानूनी बदलाव ही पर्याप्त नहीं हैं । सुरक्षा, भागीदारी, जागरूकता एवं सामाजिक-संबंधों का समन्वित विकास आवश्यक है। हिन्दू समुदाय को सक्रिय रूप से अपनी सुरक्षा-योजना विकसित करनी होगी ।न कि सिर्फ रक्षा-मोड में, बल्कि भागीदारी-मोड में। इससे अल्पसंख्यको के लिए बंग्लादेश में सुरक्षा उपलब्ध हो सकती है।

कांतिलाल मांडोत

ब्रेनवॉश से साजिश :उच्च शिक्षित डॉक्टर बन गए दहशतगर्द ?

राजधानी दिल्ली में लालकिला विस्फोट साजिश मामले में उच्च शिक्षित छह डॉक्टरों के नाम जुड़ जाने के बाद कई मिथक टूट रहे हैं जैसे अशिक्षा और बेरोजगारी आतंकवाद को जन्म देती है आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता है। इस मामले में शिक्षित और लाखों मासिक की तनख्वाह पाने वाले सभी मुस्लिम दहशतगर्दी की साजिश से जुड़े मिले हैं। सवाल है कि इन्हें कौन रेडिक्क्लाइज (उग्र कट्टरपंथी) बना रहा है? जिंदगी देने वाले डॉक्टर ही दहशत फैलाने का औजार कैसे बन गए? ये कौन सी मजहबी तालीम है जो उच्च शिक्षित एम डी डॉक्टर्स का भी ब्रेनवॉश कर उन्हें दहशत फैलाने के नापाक मंसूबों से जोड़ देती है? पिछले कुछ दिनों से देश के अलग-अलग शहरों में आतंकियों की गिरफ्तारी और विस्फोटक सामग्रियों की बरामदी के बीच सोमवार शाम को लाल किले के पास जोरदार धमाका होना इस बात का प्रमाण है कि संभवत आतंकियों ने इस घटना को बौखलाहट में अंजाम दिया है, लेकिन इसके साथ यह भी साबित होता है कि आतंकी देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी जड़े जमा चुके है। आतंक का जाल पूरे देश में फैल चुका है। दिल्ली में लाल किले के पास हुए जोरदार धमाके में 12 लोगों की मौत और दो दर्जन से ज्यादा लोगों का घायल होना काफी दुःखद और हृदयविदारक घटना है, क्योंकि यह विस्फोट इतना भयानक था कि लोगों के चिथड़े उड़ गए। धमाके की वजह साफ नहीं है, क्योंकि दिल्ली पुलिस ने इस संबन्ध में कुछ नहीं कहा है, लेकिन माना जा रहा है कि आतंकियों ने ही अपने नापाक मनसूबों को अंजाम दिया है। संभवत दिल्ली में विस्फोट कर आतंकी पूरे देश में यह संदेश देना चाह रहे हैं कि तमाम गिरफ्तारियों के बीच उनका मनोबल गिरा नहीं है। दिल्ली, जो देश की प्रशासनिक और राजनीतिक धुरी है, में लाल किले जैसा ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक स्थान पर धमाका होना, सीधे-सीधे देश की सुरक्षा व्यवस्था और खुफिया एजेंसियों को चुनौती है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब श्रीनगर, अनंतनाग, गांदरबल, शोपियां, फरीदाबाद और सहारनपुर में व्यापक छापेमारी चल रही थी और सात संदिग्धों की गिरफ्तारी के साथ भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई थी। इसलिए यह मानना तर्कसंगत होगा कि यह धमाका आतंकियों की बौखलाहट में की गई कार्रवाई हो सकती है, लेकिन इसकी भयावहता इस बात में है कि यह दिखाता है कि नेटवर्क अब भी सक्रिय और संगठित है। आंकड़े और घटनास्थल की विस्तृत जानकारी ने यह संकेत दिया है कि यह कोई साधारण विस्फोट या हमला नहीं था, बल्कि लंबी परतों में फैला एक नेटवर्क चल रहा था। देश में विभिन्न स्थानों से कुल मिलाकर लगभग तीन टन के आसपास विस्फोटक पदार्थ और संबंधित सामग्री बरामद हुई है, और मामला एक 'व्हाइट कलर' आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा बताया जा रहा है यानी प्रोफेशनल्स, छात्र और नागरिक का भी शामिल होना समझ को झकझोर देता है। सबसे स्तब्ध करने वाली बात यह है कि जिन लोगों पर संदेह हुआ उनमें मेडिकल डॉक्टर भी शामिल थे। रिपोर्ट बताती ताती हैं कि अनंतनाग के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज से एके-47 राइफल बरामद की गई और दो-तीन डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद यहीं से छानबीन आगे बढ़ी। जिन डॉक्टरों का नाम सामने आया है, उनमें अब जिन्हें हिरासत में लिया गया जिस कार में विस्फोट किया गया उसे भी एक डॉक्टर उम्र चला रहा था कुल छह डॉ के नाम सामने आ चुके हैं। इस से पता चल रहा है कि कैसे ईमानदार पेशेवर आड़ लेकर संवेदनशील स्थानों और सामाजिक विश्वास के ऊपर से भी आतंकी गतिविधियों को संचालित किया जा सकता है। इससे पहले गुजरात से तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया गया था, जिन्होंने पूछताछ में कई बड़े खुलासे किए हैं। आतंकियों ने हमले की तैयारी के लिए अहमदाबाद, लखनऊ और दिल्ली जैसे शहरों की रेकी की थी और आतंकी घटनाओं से इन्हें दहलाने की साजिश भी रची थी। आतंकियों के मुताबिक अहमदाबाद के भीड़भाड़ वाले इलाकों का नक्शा तैयार किया गया था। वहीं लखनऊ में आरएसएस के कार्यालय को भी निशाना बनाने के मंसूबे थे। दिल्ली में आतंकियों की नजरें आजादपुर मंडी इलाके पर थी। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आतंकी राइसिन नामक जहर बना रहे थे जिससे हजारों लोगों को जान से मारने की तैयारी थी। पुलिस पूछताछ में एक अहम खुलासा यह भी हुआ था कि आतंकवादी आजाद शेख एक हफ्ते तक जम्मू-कश्मीर में रहा था, जहां पर उसने कुछ संवेदनशील इलाकों की जानकारियां भी जुटाई थीं। आतंकियों ने हर जगह पर मौसम, शहरी बनावट और ट्रैफिक की पुख्ता जानकारी जुटाई थी। सभी आतंकी पाकिस्तान से संपर्क में थे और अपने आकाओं के इशारों पर काम कर रहे थे। पाकिस्तानी आकाओं के इशारों पर ही आतंकियों ने भारत में बड़े नरसंहार की योजना रची थी। वह लोगों को राइसिन नाम का जहर देकर मारने की प्लानिंग कर रहे थे। आतंकी अहमद सैयद कई दिनों से राइ?सिन पॉइजन इकट्ठा कर रहा था, ताकि मंसूबों को अंजाम दिया जा सके। निःसंदेह यह दौर बहुआयामी चुनौतियों का है। एक ओर केंद्र तथा राज्य एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई और अंतर-एजेंसी समन्वय का जो नमूना हमें इन छापों से दिखा, वह सराहनीय है, सही सूचना-इंटेलिजेंस के भरोसे तेजी से छापे हुए गए और संभावित बड़े हादसों को रोका गया। दूसरी ओर यह भी स्पष्ट है कि हमारी जांच-विधान, संस्थागत निगरानी और पंजीकरण तंत्र में ऐसे षड्यंत्रों को पकड़ने-समेत रोकने के लिए और सुधार की जरूरत है। आज जिस तरह से आतंकवाद का चेहरा परिवर्तित हो रहा है, निःसंदेह वह भयभीत करने वाला है। लेकिन इससे कल होशियार होना भी आसान है, क्योंकि जब हमें पता चल गया है कि डॉक्टर, प्रोफेशनल्स, छात्र संघ, कहीं-कहीं सामान्य दिखने वाला व्यक्ति भी हमारी सुरक्षा व्यवस्था के लिए खतरा बन सकता है, तो हमें सिर्फ चिन्ता नहीं करनी, बल्कि सटीक कार्रवाई करनी होगी। आतंक को मात देने का समय अब है। हमें पीछे मुड़कर नहीं देखना, बल्कि आगे बढ़ना है, सामूहिक रूप से, सतर्क रूप से, अडिग रूप से। मगर इतना तय है कि लाल किले के पास धमाका कोई साधारण घटना नहीं है, यह एक तरह से देश पर हमला है। यह हम सबको यह याद दिलाता है कि आतंक का जाल अब हमारी गलियों, विश्वविद्यालयों, डिजिटल चैट ग्रुपों और वित्तीय तंत्रों में घुस चुका है। अब यह युद्ध सिर्फ सैनिकों या पुलिस का नहीं, बल्कि नागरिक समाज, तकनीकी संस्थानों, शिक्षकों, और नीति निर्माताओं सहित हम सबका है। हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना होगा जहां सुरक्षा सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि विश्वास, शिक्षा, न्याय और एकता से सुनिश्चित की जाए। आतंकवाद को हराने का अर्थ सिर्फ आतंकियों को मारना नहीं, बल्कि उस मानसिकता को खत्म करना है जो उन्हें जन्म देती है। इसके लिए सबसे पहले खुफिया एजेंसियों को देश में फैले आतंक के जाल को तोड़ना होगा और यह काम सभी केंद्र और राज्य एजेंसियों को मिलकर करना होगा। यह काम आम नागरिकों के सहयोग के लिए बिना संभव नहीं है। देश के राजनीतिक पार्टियों को भी चाहिए कि इस विषय पर राजनीति नहीं करते हुए सरकार का साथ दें। आतंकवाद पर किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं हो। हकिकत यह है कि भारत का हर नागरिक, सुरक्षा संस्था और राज्य प्रशासन मिलकर इस खतरे को तब तक नहीं जीत सकते जब तक हम इसके स्रोत, नेटवर्क, लॉजिक और सहयोगियों तक पहुंच नहीं पाते। हमें एक रणनीति के साथ काम करना होगा, जहां आतंक सिर्फ दवाया नहीं जाए, बल्कि जड़ से उखाड़ दिया जाए। सभी के सहयोग से ही देश में फैले आतंक के जाल को तोड़ा जा सकता है लेकिन उच्च शिक्षित डाक्टरों का आतंकी तंजीम से जुड़ना बेहद चौकाने वाला और गहन चिंता का विषय है।

मनोज कुमार अग्रवाल

एग्जिट पोल ने दिए बिहार में एनडीए की वापसी के संकेत

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का माहौल एक बार फिर राजनीतिक तापमान को चरम पर ले आया है। मतगणना से पहले आए एग्जिट पोल नतीजों ने स्पष्ट संकेत दे दिया है कि राज्य में सत्ता की बागडोर एक बार फिर से एनडीए गठबंधन के हाथों में जा सकती है। लगभग सभी प्रमुख सर्वे एजेंसियों ने एनडीए को बहुमत से कहीं अधिक सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया है, जबकि महागठबंधन पिछड़ता हुआ दिख रहा है। यह स्थिति बिहार की राजनीति में एक बार फिर उस निरंतरता को दर्शाती है, जो नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास, सुशासन और स्थिरता के नाम पर वर्षों से कायम है। 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा के लिए इस बार का चुनाव दो चरणों में संपन्न हुआ। दूसरे और अंतिम चरण में मतदान का प्रतिशत 67.14 तक पहुँचा, जो अब तक के इतिहास में सबसे अधिक है। इतनी बड़ी संख्या में जनता का मतदान करना इस बात का प्रमाण है कि बिहार का मतदाता अब राजनीति को लेकर पहले से कहीं अधिक जागरूक, विचारशील और निर्णायक बन चुका है। मतदान के तुरंत बाद जारी हुए सात प्रमुख एग्जिट पोल्स में से लगभग सभी ने एनडीए को 147 से 167 सीटों के बीच पहुँचने का अनुमान दिया है, जबकि महागठबंधन को 70 से 102 सीटों तक सीमित बताया गया है। प्रशांत किशोर की नई पार्टी 'जन सुराज' को उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन न करते हुए नगण्य सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। इस बार का चुनाव कई मायनों में खास रहा। एक ओर जहाँ एनडीए ने अपने विकास कार्यों, कल्याण योजनाओं और जातिगत समीकरणों को मजबूती से साधे रखा, वहीं दूसरी ओर विपक्ष बेरोजगारी, पलायन और महंगाई जैसे पुराने मुद्दों के सहारे जनसमर्थन जुटाने की कोशिश में लगा रहा। नीतीश कुमार ने अपनी छवि को 'विकास पुरुष' और 'सुशासन बाबू' के रूप में एक बार फिर स्थापित करने की पूरी रणनीति अपनाई। बीजेपी, लोक जनशक्ति पार्टी और हिंदुस्तान अवामी मोर्चा जैसे सहयोगी दलों ने मिलकर पूरे राज्य में एक संगठित अभियान चलाया, जिसका असर मतदान प्रतिशत और जनमत दोनों में दिखाई दिया। महागठबंधन, जिसके केंद्र में इस बार भी तेजस्वी यादव थे, ने युवाओं को रोजगार देने और पलायन रोकने जैसे वादों पर जोर दिया, परंतु उसका प्रभाव सीमित क्षेत्रों तक ही सिमटा रहा। ग्रामीण इलाकों और युवा मतदाताओं में एनडीए की अपील इस बार कहीं अधिक दिखी। खासकर प्रवासी मतदाता, जिन्होंने कोरोना काल और उसके बाद के आर्थिक संकट का सामना किया था, वे स्थिर शासन और निरंतर विकास की आशा में फिर उसी दिशा में झुकते नजर आए। दूसरी तरफ, प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी, जो शुरुआत में राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनी थी, अंततः आम वोटर के बीच कोई ठोस पहचान नहीं बना सकी। इस चुनाव का एक उल्लेखनीय पहलू यह भी रहा कि प्रशासनिक स्तर पर चुनाव आयोग ने बेहद सख्त और पारदर्शी प्रबंधन किया। नेपाल सीमा को 72 घंटे तक सील कर देना और सीमावर्ती जिलों में अतिरिक्त बलों की तैनाती ने न केवल मतदान को शांतिपूर्ण बनाया, बल्कि इससे मतदाताओं में सुरक्षा की भावना भी बढ़ी। इसका नतीजा यह हुआ कि लोगों ने उत्साहपूर्वक मतदान किया और लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। एग्जिट पोल्स के रुझानों को देखकर राजनीतिक विश्लेषक यह मानने लगे हैं कि बिहार की जनता ने इस बार भी 'स्थिर सरकार' और 'विकास की निरंतरता' को प्राथमिकता दी है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में पिछले दो दशकों में बिहार ने बुनियादी ढाँचे, सड़क, बिजली, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में जो सुधार देखे हैं, वे अब राज्य की राजनीति की मूल पहचान बन चुके हैं। यही वजह है कि कई मतदाता जातीय समीकरणों से ऊपर उठकर विकास के मुद्दे पर मतदान करते दिखाई दिए। हालांकि यह भी ध्यान देने योग्य है कि एग्जिट पोल्स हमेशा अंतिम सच्चाई नहीं होते। 2020 के विधानसभा चुनावों में भी अधिकतर सर्वे एजेंसियों ने महागठबंधन को बढ़त दी थी, लेकिन अंतिम नतीजों में एनडीए ने सरकार बनाई। इसलिए 14 नवंबर को जब मतगणना होगी, तब ही असली तस्वीर साफ़ होगी। फिर भी, वर्तमान परिदृश्य यह संकेत दे रहा है कि नीतीश कुमार और एनडीए गठबंधन ने अपनी पकड़ अभी भी मजबूत बनाए रखी है। राजनीतिक रूप से यह चुनाव कई शिक्षाएँ भी छोड़ जाएगा। पहली–बिहार में अब सिर्फ जातीय समीकरणों से सत्ता नहीं मिल सकती; जनहित की योजनाएँ और ठोस कामकाज ही निर्णायक साबित हो रहे हैं। दूसरी–युवा और महिला मतदाता अब चुनावी गणित को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं। और तीसरी–नई राजनीतिक पार्टियों के लिए राज्य में जगह बनाना अब पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है, क्योंकि मतदाता अब 'पर्याप्त अनुभव' और 'स्थिर नेतृत्व' की अपेक्षा रखता है। अगर एग्जिट पोल्स की भविष्यवाणी वास्तविक परिणामों में बदलती है, तो यह न केवल बिहार की राजनीति में एनडीए के एक और दशक के प्रभुत्व की पुष्टि करेगा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी इसके राजनीतिक निहितार्थ होंगे। बिहार के इस जनादेश को एक व्यापक संदेश के रूप में देखा जा सकता है–जनता विकास, स्थिरता और सुशासन को नारेबाज़ी से अधिक महत्व देती है। लोकतंत्र की असली ताकत यही है कि जनता हर बार अपने अनुभव, अपेक्षाओं और विश्वास के आधार पर निर्णय लेती है। बिहार ने इस बार फिर वही किया है–वह राजनीति को नहीं, अपने भविष्य को वोट दे रहा है।

महेन्द्र तिवारी

धीरेन्द्र शास्त्री की 'सनातन यात्रा': धार्मिक-सांस्कृतिक आंदोलन या पुनर्जागरण का सामाजिक संदेश

भारत का इतिहास साक्षी है कि यह भूमि सदैव यात्राओं की रही है। यहां यात्राएँ केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि आत्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जागरण का माध्यम रही हैं। राम का वनगमन धर्म और मर्यादा के पालन की जीवंत प्रतिमा था; महात्मा बुद्ध की पदयात्राओं ने करुणा और संयम का बीज बोया; आदि शंकराचार्य का भारत भ्रमण अद्वैत दर्शन और राष्ट्रीय एकात्मता का सूत्रधार बना; और महात्मा गांधी का दांडी मार्च औपनिवेशिक अन्याय के विरुद्ध जनचेतना का उद्घोष। इतिहास में दर्ज ये यात्रा-परंपरा समय-समय पर भारतीय समाज को नई दिशा देती आई है।इसी परंपरा की समकालीन कड़ी के रूप में बागेश्वर धाम सरकार के प्रमुख पूज्य पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री द्वारा आरंभ की गई 'सनातन हिन्दू एकता पदयात्रा' वर्तमान भारत की सांस्कृतिक चेतना का नया अध्याय बनती दिखाई दे रही है। दिल्ली के प्राचीन आद्य कात्यायनी शक्तिपीठ से प्रारंभ होकर वृंदावन के श्री बाँके बिहारी मंदिर तक पहुँचने वाली यह यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण सिद्ध हो रही है।इस यात्रा का उद्देश्य स्पष्ट है-सनातनी समाज को जागृत और संगठित करना, भक्ति भाव जगाना और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करना। बाबा बागेश्वर धाम के शब्दों में, 'हम सब उसी सनातन संस्कृति के अंग हैं, जिसके केंद्र में करुणा, सत्य और सेवा है। भेद केवल पंथ का है, धर्म का नहीं।' इस यात्रा का स्वर इस वाक्य में निहित है-धर्म को जोड़ने और जाग्रत करने का माध्यम बनाना।यह यात्रा प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं, संतों, युवाओं और परिवारों की सहभागिता से आगे बढ़ रही है। इस यात्रा में भगवा पताकाओं की छटा, भजन-कीर्तन की गूंज और वैदिक मंत्रों की लयबद्ध स्वरधारा श्रद्धा और अनुशासन का अद्भुत संयोजन प्रस्तुत कर रही है।

मार्ग में स्थानीय समाजसेवक, स्वयंसेवी संगठन और ग्राम समितियाँ श्रद्धालुओं के लिए भोजन, चिकित्सा और आवास की व्यवस्था में स्वेच्छा से सहयोग कर रहे हैं। यह सहयोग इस यात्रा को सामाजिक सद्भाव और परस्पर सेवा का जीवंत प्रतीक बना रहा है, जहाँ जाति, वर्ग और क्षेत्रीय सीमाएँ अप्रासंगिक हो गई हैं। यह 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भारतीय अवधारणा का जीवंत रूप है।यह यात्रा हमें स्मरण कराती है कि धर्म केवल अनुष्ठान या आचार नहीं, बल्कि समाज के भीतर सेवा, सद्भाव और सह-अस्तित्व की भावना है। दिल्ली से वृंदावन तक का मार्ग आधुनिकता और अध्यात्म, प्रौद्योगिकी और परंपरा, प्रगति और संस्कृति के समन्वय को दर्शाता है। वास्तव में यही सनातन संस्कृति की आत्मा है- नवीनता में निहित प्राचीनता।कुछ आलोचक इस यात्रा को प्रचार का माध्यम बता सकते हैं, किंतु वस्तुतः इसका प्रभाव इससे कहीं व्यापक है। यह यात्रा यह संदेश देती है कि जब धर्म जोड़ने का कार्य करता है, तभी वह लोकधर्म बनता है। जब वह सेवा और समरसता का साधन बनता है, तभी वह समाज के उत्थान की शक्ति बनता है। श्री धीरेन्द्र शास्त्री की पहल इस तथ्य को पुनः प्रतिपादित करती है कि सनातन धर्म किसी एक वर्ग या समूह का नहीं, बल्कि सबका धर्म है-जो स्वीकृति, करुणा और सहअस्तित्व पर आधारित है। निष्कर्षतः 'सनातन यात्रा' केवल आस्था का आयोजन नहीं, बल्कि समाज के अंतर्मन में सोई हुई आत्मचेतना को जगाने का एक संगठित प्रयास है। यह यात्रा हमें

स्मरण कराती है कि सनातन धर्म एक जीवन-दर्शन है- 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की साकार व्याख्या।

इस यात्रा में धर्म जोड़ने की शक्ति , संस्कृति जीवन का उत्सव, और समाज सामूहिक चेतना के मार्ग पर अग्रसर होता दिख रहा है। यह यात्रा इस बात का सशक्त प्रमाण है कि भारत की आत्मा अब भी अपनी जड़ों और अपने मूल्यबोध की ओर लौटने के लिए तत्पर है-एकता और आध्यात्मिकता के मार्ग पर। मैं तो श्री धीरेन्द्र शास्त्री को इस हिन्दू जागरण यात्रा के लिए नमन करता हूं।

डा मनमोहन प्रकाश

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

साइबर अपराध पर पुलिस कर्मियों का प्रशिक्षण स पन्न

देवरिया। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनंद पांडेय के निर्देशन में पुलिस लाइन सभागार में साइबर अपराध से जुड़े विभिन्न पोर्टलों के प्रभावी उपयोग पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में साइबर कमांडो टीम ने पुलिसकर्मियों को ऑनलाइन फ्रॉड, बैंकिंग धोखाधड़ी, सोशल मीडिया हैकिंग जैसी घटनाओं की जांच प्रक्रिया पर प्रशिक्षण दिया। एएसपी ने कहा कि डिजिटल युग में पुलिसकर्मियों की तकनीकी दक्षता ही साइबर अपराध नियंत्रण की कुंजी है। उन्होंने www.cybercrime.gov.in पोर्टल और हेल्पलाइन 1930 के प्रभावी उपयोग पर बल दिया।

देवरिया पुलिस की प्रभावी पैरवी से पाक्सो अभियुक्त को 20 वर्ष की सजा

देवरिया। ऑपरेशन कन्विक्शन और मिशन शक्ति 5.0 के तहत पुलिस की प्रभावी पैरवी से थाना भलुअनी में दर्ज पाक्सो एक्ट के एक मामले में अभियुक्त रामआश्रय यादव पुत्र स्व. रक्षा यादव निवासी खजुरी भट्ट को न्यायालय ने 20 वर्ष के सश्रम कारावास और ?10,000 अर्थदंड की सजा सुनाई है। इस प्रकरण में विशेष लोक अभियोजक हरिदत्त मिश्रा, कोर्ट मुहर्रिर महिला आरक्षी मदालसा सिंह, पैरवीकार आरक्षी शैलेष कुमार तथा मॉनिटरिंग सेल प्रभारी दुर्गेश कुमार सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

मारपीट कर धमकाने का आरोप

ललितपुर। थाना जखौरा अंतर्गत चौकी बांसी के ग्राम खिरकन निवासी तुलाराम पुत्र कल्ले पाल ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि बीती देर रात करीब 8 बजे वह अपने घर के दरबाजे पर बैठा था। गांव के सरमन पुत्र सियाराम कुशवाहा, सुरेश पुत्र रमेश कुशवाहा आये और बिना कारण गालियां देते हुये विरोध करने पर मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

UP: दुधवा नेशनल पार्क के पास बनेगा वेलनेस केंद्र, पर्यटकों को मिलेगी काटेज की सुविधा

लखनऊ: दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के पास अत्याधुनिक वेलनेस पर्यटन केंद्र का निर्माण किया जाएगा। लखीमपुर खीरी के चंदन चौकी गांव में पांच एकड़ क्षेत्रफल में 'होलिस्टिक वेलनेस टूरिज्म' थीम पर विशेष आवासीय पर्यटन इकाई विकसित की जाएगी। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यह पहल दुधवा को केवल वन्यजीव प्रेमियों का प्रमुख गंतव्य ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, प्रकृति और शांति की तलाश में आने वाले पर्यटकों के लिए भी एक आदर्श अनुभव केंद्र बनाएग। पर्यटन मंत्री ने बताया कि वेलनेस केंद्र की बुकिंग उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और ईको पर्यटन विकास बोर्ड की वेबसाइट्स पर के जरिए कराई जा सकेगी। इसके संचालन और अनुरक्षण को लेकर ईको पर्यटन विकास बोर्ड व बीवीजी इंडिया लिमिटेड के बीच गुरुवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। पर्यटकों के विशिष्ट अनुभव के लिए वेलनेस केंद्र में खेलकूद सहित अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। वहीं आगंतुकों के लिए योग, ध्यान और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। इस परियोजना से दुधवा क्षेत्र के स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। पर्यटन महानिदेशक राजेश कुमार ने बताया कि यह परियोजना राज्य में ईको पर्यटन को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी।

लखनऊ में अवारा कुत्तों के लिए बनाए जाएंगे शेल्टर होम, नगर निगम कार्यकारिणी समिति ने लिया निर्णय

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर लखनऊ नगर निगम आवारा कुत्तों पर अंकुश लगाने के लिए शेल्टर होम बनाएगा यह शेल्टर होम शहर में अलग-अलग जगह पर जमीन की उपलब्धता के अनुसार बनाए जाएंगे। इसी तरीके से आवासीय भवनों पर सोलर पैनल लगाने पर भवन कर और जलकर पर दस प्रतिशत की छूट दी जाएगी। महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता और नगर आयुक्त गौरव कुमार अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में हुई कार्यकारिणी समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। शहर में 88 जगहों पर पार्किंग स्थल बनाए जाएंगे। शहर के अलग-अलग जगहों पर मॉडल वेडिंग जोन भी बनाए जाएंगे। यहां पर दुकानों का आवंटन पगड़ी के हिसाब से किया जाएगा। नगर निगम के 102 कंप्यूटर ऑपरेटरों को 19800 रुपये दिए जाएंगे। शहर की कई सड़कों को नाम भी दिया गया है।

ऊँची दुकान फीके पकवान! लखनऊ की ब्रांडेड मिठाई दुकानों पर छापा

● स्वस्थ्य की कार्रवाई में लाखों का सड़ा माल नष्ट; ग्राहकों का स्वास्थ्य खतरे में

छापेमारी में 36 क्विंटल 'ज़हरीली' मिठाई ज़ब्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने लखनऊ में मिलावटखोरों पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' की है। विभाग ने शहर के 10 प्रतिष्ठित और नामी मिठाई की दुकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। इस कार्रवाई ने ग्राहकों के स्वास्थ्य के प्रति बड़े पैमाने पर की जा रही आपराधिक लापरवाही का पर्दाफाश किया है।

नाम बड़े, दर्शन छोटे

FSDA की टीम ने उन बड़े प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जो अपनी गुणवत्ता के लिए जाने जाते थे। जांच के दौरान सामने आए आंकड़े हैरान करने वाले हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की कि छप्पन भोग (Chhappan Bhog) जैसे प्रमुख प्रतिष्ठानों सहित कुल 10 दुकानों पर कार्रवाई की गई।

ज़ब्ती का पैमाना: विभाग ने इन प्रतिष्ठानों से कुल 36 क्विंटल (3600 किलोग्राम) तक 'सड़ी-गली' और एक्सपायर्ड मिठाई बरामद की। जब्त किए गए माल का अनुमानित बाज़ार मूल्य 20 लाख रुपये से अधिक आँका गया है।

अन्य कार्रवाई: सूत्रों के अनुसार, कार्रवाई के दौरान नीलकंठ (Neelkanth) स्वीट्स का भी 255 किलोग्राम खराब माल मौके पर ही नष्ट कराया गया। राधेलाल क्लासिक (Radhe Lal Classic) और सियाराम स्वीट्स (Siyaram Sweets) जैसी दुकानों पर गंभीर अनियमितताएँ मिलने के बाद उन्हें बंद कराने के आदेश दिए गए हैं और कई अन्य को कड़े नोटिस जारी किए गए हैं।

'फफूंदी लगी' और रासायनिक मिठाई का जखीरा

अधिकारियों ने बताया कि जब्त की गई मिठाइयाँ खाने के लिए पूरी तरह असुरक्षित थीं।

गोदामों में मिठाइयों पर फफूंदी लगी हुई थी और उन्हें बेहद अस्वच्छ वातावरण में रखा गया था। कई मामलों में मिठाई को असामान्य रूप से सफेद और चमकदार बनाने के लिए ब्लीचिंग पाउडर या अन्य खतरनाक रसायनों का उपयोग किए जाने का संदेह है, जो सीधे तौर पर ग्राहकों के स्वास्थ्य के लिए खतरा है।

FSDA के सहायक आयुक्त (खाद्य) ने बताया कि सभी ज़ब्त माल के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें भारी जुर्माना और प्रतिष्ठान का लाइसेंस रद्द करना शामिल है।

सोशल मीडिया पर जनता का आक्रोश

इस खबर के सार्वजनिक होते ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लखनऊ की जनता का गुस्सा फूट पड़ा है। मिलावटखोरोंट्टपरट्टकार्रवाई के तहत लोग अपनी प्रतिक्रियाएँ दे रहे हैं।

यूज़र्स ने इन ब्रांडेड दुकानों पर विश्वासघात का आरोप लगाया और कहा कि वे गुणवत्ता के लिए ज़्यादा पैसे देते हैं, लेकिन बदले में उन्हें ज़हर मिल रहा है। सोशल मीडिया पर लगातार यह मांग की जा रही है कि ऐसे मिलावटखोरों पर सिर्फ जुर्माना नहीं, बल्कि लाइसेंस रद्द कर आपराधिक मुकदमे दर्ज किए जाने चाहिए ताकि लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ न हो।

FSDA की अपील: जागरूक रहें उपभोक्ता

FSDA ने त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं से अत्यंत सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि ग्राहकों को अत्यधिक सफेद या असामान्य रूप से चमकदार मिठाइयों को खरीदने से बचना चाहिए। साथ ही, उन्होंने लोगों को केवल पंजीकृत और स्वच्छ प्रतिष्ठानों से ही खरीदारी करने और किसी भी संदेह की स्थिति में तुरंत खाद्य विभाग की हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी है। यह बड़ी कार्रवाई उन सभी बड़े नामों के लिए एक सख्त संदेश है जो मुनाफाखोरी के लिए ग्राहकों के स्वास्थ्य को खतरे में डाल रहे हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि ग्राहकों की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सीतापुर में दौड़ी 'तबादला एक्सप्रेस'

निरीक्षक/उप निरीक्षकों की तैनाती बदली

सीतापुर: जिले की पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक ने 6 निरीक्षक और उप निरीक्षकों का तबादला कर दिया है। प्रशासनिक कारणों से किए गए इस फेरबदल के बाद कई थानों की कमान बदल गई है। **प्रमुख बदलाव इस प्रकार हैं:** निरीक्षक श्री अरविन्द कुमार पाण्डेय, जो पहले थाना मिश्रित के प्रभारी थे, और निरीक्षक श्री पंकज तिवारी, जो थाना नैमिषारण्य के प्रभारी थे, अब पुलिस लाइन्स भेजे गए हैं। पुलिस लाइन्स में तैनात रहे निरीक्षक श्री प्रदीप कुमार सिंह को थाना मिश्रित का नया प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है। उप निरीक्षक श्री प्रदीप कुमार सिंह को थानाध्यक्ष कमलापुर से हटाकर थानाध्यक्ष सकरन बनाया गया है। थानाध्यक्ष सकरन रहे उप निरीक्षक श्री नवनीत मिश्रा को थानाध्यक्ष नैमिषारण्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। थाना बिसवाँ की चौकी कस्बा के प्रभारी रहे उप निरीक्षक श्री आशुतोष मिश्रा को अब थानाध्यक्ष मानपुर बनाया गया है। यह तबादला पुलिस विभाग में कार्यक्षमता बढ़ाने और प्रशासनिक संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यूपी बोर्ड परीक्षा 2026: हिंदी और संस्कृत के पेपर की पाली में बड़ा बदलाव, संशोधित समय- सारणी जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज, माध्यमिक शिक्षा परिषद (UPMSP) ने वर्ष 2026 की हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं के कार्यक्रम में संशोधन किया है। यह संशोधन मुख्य रूप से हिंदी और संस्कृत विषयों की परीक्षा तिथियों को लेकर किया गया है। परिषद के सचिव भगवती सिंह द्वारा जारी संशोधित अधिसूचना के अनुसार, बोर्ड की मुख्य परीक्षाएं 18 फरवरी 2026 से शुरू होकर 12 मार्च 2026 तक चलेंगी। सभी परीक्षाएं दो पालियों में होंगी- सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक और दोपहर 2:00 बजे से 5:15 बजे तक।

प्रमुख संशोधन: हाई स्कूल (कक्षा 10) हिंदी: कक्षा 10वीं की हिंदी और प्रारंभिक हिंदी की परीक्षा अब 18 फरवरी 2026 को प्रथम पाली (सुबह 8:30 बजे) में होगी। इंटरमीडिएट (कक्षा 12) हिंदी: कक्षा 12वीं की हिंदी और सामान्य हिंदी की परीक्षा अब 18 फरवरी 2026 को द्वितीय पाली (दोपहर 2:00 बजे) में आयोजित की जाएगी।

इंटरमीडिएट (कक्षा 12) संस्कृत: कक्षा 12वीं की संस्कृत विषय की परीक्षा को आगे बढ़ाते हुए अब 12 मार्च 2026 को द्वितीय पाली (दोपहर 2:00 बजे) में आयोजित किया जाएगा।

बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि हिंदी और संस्कृत विषयों के अलावा अन्य सभी विषयों की परीक्षाएँ पूर्व में जारी समय-सारणी के अनुसार ही होंगी। यह बदलाव छात्रों को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाने के उद्देश्य से किया गया है। बोर्ड ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वे इस संशोधित समय- सारणी को तत्काल सभी छात्रों और अभिभावकों तक पहुँचाएँ। छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे नवीनतम और आधिकारिक जानकारी के लिए PMSP की वेबसाइट पर जारी पूर्ण समय-सारणी की जाँच करें।

बकरी चराने गई महिला पर किया सियार ने हमला इलाके में मचा हड़कंप

● बकरियां चराते समय हुई घटना ग्रामीणों ने बचाई जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के रामपुर नयागांव में गुरुवार सुबह तड़के उस समय हड़कंप मच गया, जब बकरी चराने गई एक महिला पर सियार ने हमला कर दिया हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे ग्रामीणों की मदद से इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, रामपुर नयागांव निवासी ललिता देवी सुबह गांव के बाहर बकरियां चराने गई थीं इसी दौरान झाड़ियों में छिपे सियार ने अचानक बकरियों पर हमला कर दिया ललिता ने बकरियों को बचाने की कोशिश की तो सियार ने उन पर झपट्टा मार दिया सियार के हमले में महिला के हाथ और पैर सहित चेहरे पर गहरे घाव हो गए महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर दौड़े और लाठियों से सियार को भगाया। घटना के बाद घायल ललिता को ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में सियारों की सक्रियता बढ़ गई है रात के साथ-साथ अब दिन में भी सियार गांव के आसपास दिखाई देने लगे हैं जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

लोगों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और आवारा जानवरों को पकड़वाने की मांग की है सूचना मिलते ही इमलिया सुल्तानपुर थाना पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और वन विभाग को घटना की जानकारी दी पुलिस ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है!!

हरदोई-लखनऊ नेशनल हाईवे पर देरी से बढ़ा हादसों का खतरा, लोग बोले 'अब तो रास्ता खोलो

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। हरदोई-लखनऊ नेशनल राज्यमार्ग हाईवे पर पैकेज-4 और रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण कार्य पूरी तरह पूरा हो चुका है। निर्माण कार्य आरपी इंफ्रावेंचर प्राइवेट लिमिटेड और सोसि इंफ्राटेक लिमिटेड (संयुक्त उद्यम) ने करीब 30 किलोमीटर तक संपन्न कराया गया है। इसके बावजूद अब तक आरओबी पर ट्रैफिक संचालन शुरू नहीं हो सका है। इस देरी के चलते बाज नगर स्थित गुजरे किसान पथ पर आने-जाने वाले वाहनों को रोजाना लंबा जाम झेलना पड़ रहा है। आए दिन लगने वाले जाम से स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सूत्रों के अनुसार इस मार्ग के टोल संचालन का ठेका 1 अगस्त 2025 को संदीप कंस्ट्रक्शन को मिल चुका है, लेकिन अब तक टोल संचालन शुरू नहीं हुआ है। टोल शुरू न होने से सरकार को भी राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस बीच सर्दी का मौसम शुरू होने से कोहरे के कारण दृश्यता में कमी आई है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों का कहना है कि आरओबी और सड़क पूरी होने के बावजूद अभी भी पुराने संकरे रास्ते से ही आवागमन कराया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द आरओबी पर ट्रैफिक संचालन शुरू कराया जाए और टोल व्यवस्था लागू की जाए, ताकि जाम और दुर्घटनाओं की समस्या से राहत मिल सके।

जिलाधिकारी ने मतदाता पंजीकरण केंद्र का किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान-2025 के अंतर्गत तहसील नौगढ़ के ग्राम धेनसा बूथ न0-349, 350 के मतदाता पंजीकरण केन्द्र का जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0 द्वारा बीएलओ द्वारा भरे गये गणना फार्म को देखा गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि गणना प्रपत्र की दो प्रतियों मतदाताओं को उपलब्ध कराए और फॉर्म भरने में मार्गदर्शन भी करेंगे। बीएलओ मतदाताओं द्वारा भरे हुए गणना प्रपत्र एकत्रित करेंगे तथा पावती देंगे। मतदाता, गणना प्रपत्र की दोनों प्रतियों को भरें व हस्ताक्षर करें। मतदाता, गणना प्रपत्र में अपना नवीनतम फोटो लगाएं। मतदाता, फॉर्म बीएलओ को वापस दें और प्राप्ति रसीद ज़रूर लें। गणना फार्म को ऑनलाइन कराये।

जमीन विवाद में दो पक्षों में झड़प चले ईट पत्थर तीन लोग घायल, सीसीटीवी में क़ैद हुई घटना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला काज़ियारा में गुरुवार की बुधवार शाम दो पक्षों के बीच जमकर विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि दोनों ओर से ईट-पत्थर चलने लगे इस दौरान तीन लोग चोटिल हो गए। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह हालात को काबू में किया मामला मोहल्ला काज़ियारा निवासी रिजवान के मकान पर कब्जे को लेकर बताया जा रहा है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि विपक्षी जाहिद, शमशाद, नौशाद, अमन और शाहजेब उनके मकान को जबरन खरीदना चाहते हैं विरोध करने पर उन्होंने कई बार दीवार तोड़कर कब्जे की कोशिश की। रिजवान का कहना है कि दो बार दीवार तोड़े जाने के बाद भी पुलिस ने शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे विपक्षियों के हौसले और बुलंद हो गए। बुधवार को फिर से जब विपक्षी पक्ष ने मकान में घुसकर विवाद किया तो दोनों ओर से कहासुनी मारपीट में बदल गई। कुछ ही देर में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर बरसाने शुरू कर दिए, जिससे क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। विवाद का पूरा घटनाक्रम आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल भेजा और दोनों पक्षों को थाने ले गई। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित पक्ष ने प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है पुलिस का कहना है कि मामले में जांचकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है!!

दाम्पत्य विवाद सुलझा, पति-पत्नी साथ रहने को हुए तैयार

हमीरपुर :- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिले में संचालित मध्यस्थता केन्द्र में वाद संख्या 1340/2025 रीना पुत्री रामकिशेर निवासी अरतरा बनाम शिवकुमार पुत्र धूराम निवासी मौदहा के मध्य दाम्पत्य संबंधी विवाद का सफल निस्तारण किया गया। इस मामले में नियुक्त मध्यस्थ अधिवक्ता श्री राजेन्द्रवीर सिंह चौहान ने दोनों पक्षों से वार्ता कर आपसी सहमति से सुलह कराई। बातचीत के दौरान पति-पत्नी ने साथ-साथ रहने की सहमति व्यक्त की। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हमीरपुर के सचिव महेन्द्र कुमार पाण्डेय ने दोनों पक्षों को बधाई दी तथा मध्यस्थ अधिवक्ता के कार्य पर संतोष व्यक्त किया।

ड्यूटी पर जा रहे शिक्षक को कार ने मारी टक्कर हालत गंभीर लखनऊ ट्रामा रेफर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के दलावल गांव के पास गुरुवार सुबह दर्दनाक हो गया, जब स्कूल ड्यूटी पर जा रहे शिक्षक को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी हादसे में शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने लखनऊ रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, घायल शिक्षक की पहचान घनश्याम पांडे के रूप में हुई है, जो खदनिया प्राथमिक विद्यालय, परसेंडी में तैनात हैं गुरुवार सुबह करीब 9:15 बजे वे अपनी बाइक से विद्यालय जा रहे थे जैसे ही वे दलावल गांव के पास पहुंचे, सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शिक्षक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायल शिक्षक को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने घनश्याम पांडे की हालत गंभीर बताते हुए लखनऊ रेफर कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त बाइक को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। थाना प्रभारी ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि कार चालक की पहचान की जा सके। ग्रामीणों ने बताया कि दलावल गांव के पास सड़क काफी संकरी है जबकि वाहनों की रफ्तार अक्सर खतरनाक स्तर तक बढ़ जाती है लोगों का कहना है कि यहां स्पीड ब्रेकर और चेतावनी संकेत लगाए जाने की जरूरत है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके!!

ड्यूटी पर जा रहे शिक्षक को कार ने मारी टक्कर हालत गंभीर लखनऊ ट्रामा रेफर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के दलावल गांव के पास गुरुवार सुबह दर्दनाक हो गया, जब स्कूल ड्यूटी पर जा रहे शिक्षक को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी हादसे में शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने लखनऊ रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, घायल शिक्षक की पहचान घनश्याम पांडे के रूप में हुई है, जो खदनिया प्राथमिक विद्यालय, परसेंडी में तैनात हैं गुरुवार सुबह करीब 9:15 बजे वे अपनी बाइक से विद्यालय जा रहे थे जैसे ही वे दलावल गांव के पास पहुंचे, सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शिक्षक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायल शिक्षक को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने घनश्याम पांडे की हालत गंभीर बताते हुए लखनऊ रेफर कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त बाइक को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। थाना प्रभारी ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि कार चालक की पहचान की जा सके। ग्रामीणों ने बताया कि दलावल गांव के पास सड़क काफी संकरी है जबकि वाहनों की रफ्तार अक्सर खतरनाक स्तर तक बढ़ जाती है लोगों का कहना है कि यहां स्पीड ब्रेकर और चेतावनी संकेत लगाए जाने की जरूरत है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके!!

झपटमारी के आरोपी को किया गिर तार, सोने की जिउती और नगदी बरामद

देवरिया। अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी सुनील सिंह व क्षेत्राधिकारी मनोज कुमार के पर्यवेक्षण में लार पुलिस ने झपटमारी के एक अभियुक्त सद्दाम अंसारी पुत्र मुन्ना अंसारी निवासी जमसड़ा को गिर तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के पास से 9 सोने की जिउतिया व ?3300 नगद बरामद किए। यह कार्रवाई मु.अ.सं. 393/2025 धारा 304(2) बीएनएस में दर्ज प्रकरण के आधार पर की गई। गिर तारी टीम में उपनिरीक्षक गोविंद सिंह सहित पुलिसकर्मी ओमप्रकाश सिंह, दिवाकर चौहान व महिला आरक्षी नेहा पांडेय शामिल रहीं।

जिलाधिकारी ने सीएचसी शोहरतगढ़ का किया औचक निरीक्षक, तीन कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, शोहरतगढ़ का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा सर्वप्रथम उपस्थिति पंजिका को देखा गया। मनोज कुमार, सोनू तथा सुनील दत्त शर्मा अनुपस्थित थे। जन औषधि कक्ष, औषधि भण्डारण कक्ष एवं औषधि वितरण कक्ष, प्रसव कक्ष, एक्स-रे कक्ष, जनरल वार्ड, प्रयोगशाला आदि को देखा गया। प्रयोगशाला में जिलाधिकारी द्वारा पूछताछ किया गया।

मातृ सुरक्षा केन्द्र कक्ष का निरीक्षण किया गया। 25 गर्भवती महिलाओं का एचआरपी हुआ है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि गर्भवती महिलाओं से फीड बैक प्राप्त करें। जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत प्रसव पश्चात दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि उनके खाते में धनराशि प्रेषित कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही पूरे स्वास्थ्य केन्द्र परिसर का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने खुले में रखे ट्रान्सफार्मर को जाली लगाने हेतु निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान एमओआईसी शोहरतगढ़, संबंधित डाक्टर व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

14 वर्षीय किशोर घर से लापता, पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। रहीमाबाद क्षेत्र में दिलावर नगर निवासी एक 14 वर्षीय किशोर के घर से अचानक लापता हो जाने से परिवार में हड़कंप मच गया है। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल सका। थक-हारकर किशोर के पिता ने रहीमाबाद थाने में गुमशुदगी की तहरीर दी है, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर किशोर की तलाश शुरू कर दी है।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र के दिलावर नगर निवासी सुरेंद्र कुमार ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनका 14 वर्षीय पुत्र करण बीती 11 नवंबर को घर से बिना बताए कहीं चला गया।काफी देर तक जब वह घर वापस नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। परिवार के सदस्यों ने पहले अपने स्तर पर आस-पड़ोस और सभी संभावित जगहों पर करण को ढूंढा। जब उसका कोई सुराग नहीं मिला, तो परिजनों ने रिश्तेदारी और परिचितों के यहां भी तलाश की, लेकिन वह कहीं नहीं मिला।बेटे का कहीं पता न चलने पर, सुरेंद्र कुमार ने रहीमाबाद थाना पहुंचकर मामले की सूचना दी और बेटे के लापता होने की गुमशुदगी दर्ज कराई।घटना के संबंध में, थाना प्रभारी रहीमाबाद अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया, 'पीड़ित सुरेंद्र कुमार की तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है। किशोर की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है और सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही किशोर को ढूंढ निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

जन्मजात हृदय रोग जांच शिविर 12 नवम्बर को

शहडोल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने जानकारी दी है कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जन्मजात हृदय रोग पीड़ित जन्म से 18 वर्ष तक के बच्चो के लिए जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र शहडोल में 12 नवम्बर को प्रातः 10 बजे से 4 बजे तक निःशुल्क जांच शिविर आयोजित किया जाएगा। जांच शिविर हेतु बच्चों के साथ जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड समग्र आइडी, आयुष्मान कार्ड की फोटोकाफी एवं एक पासपोर्ट फोटो लाना अनिवार्य होगा।

कैरियर गाइडेंस मेला में छात्रों को मिला विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

बिवांर(हमीरपुर)- मौदहा विकासखण्ड के कुन्हेटा राजकीय हाई स्कूल में एक कैरियर गाइडेंस मेले का आयोजन किया गया। इस मेले का मुख्य उद्देश्य छात्रों को अपने जीवन से संबंधित निर्णय लेने और बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। इस मेले में छात्र-छात्राओं को उनके भविष्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। मेले का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या अनुज्ञा द्विवेदी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि चौकी प्रभारी रवींद्र कुमार आर्यावर्त बैंक मैनेजर आशीष त्रिपाठी, सीनियर शिक्षिका किरण लता सोनी,गीता वर्मा और डॉक्टर गंगासागर, पत्रकार अश्वनी पांडे शामिल थे। इन सभी विशेषज्ञों ने छात्रों के उत्सुकता भरे प्रश्नों का उत्तर दिया और उन्हें कैरियर संबंधी जानकारी दी। चौकी प्रभारी रवींद्र कुमार ने भी छात्रों को कैरियर मार्गदर्शन प्रदान करते हुए उनके ज्ञान को सही दिशा दी। साथ ही महिला सिपाही ने छात्रों को मिशन शक्ति और महिला हेल्प लाइन नंबरों के बारे में जानकारी दी। वहीं गांव के डॉक्टर गंगाराम ने मेडिकल लाइन को लेकर तमाम तरह की जानकारी छात्राओं से साझा की। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहनोडल शिक्षा अल्पना मिश्र ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिका हेमलता विश्वकर्मा ने किया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं के साथ उनके अभिभावक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक घायल

ललितपुर। थाना सौजना अन्तर्गत ग्राम भदौरा में रहने वाले रामप्रसाद पुत्र हल्कुवा कुशवाहा ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। बताया कि 9 नव बर की शाम करीब 7.30 बजे वह घर से खाद की दुकान पर जा रहा था। तभी रास्ते में प्राथमिक विद्यालय के 100 मीटर आगे किसी अज्ञात मोटर साइकिल ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गिरकर घायल हो गया। उसके गांव के लोगों ने परिजनों की मदद से टीकमगढ़ अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125 (ए) व 125 (बी) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

किसानों को खाद निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध कराए- जिलाधिकारी

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लि0 सिरवत का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्टाक रजिस्टर एवं वितरण रजिस्टर का मिलान किया गया। वितरण के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त किया गया। जिलाधिकारी द्वारा गोदाम को भी देखा गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि किसानो को निर्धारित दर पर खाद का वितरण कराये।

भारतीय सेना होगी और मजबूत, रक्षा मंत्रालय और BDL में हुआ करार, टी-90 टैंक होंगे घातक

● रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के साथ 2,095.70 करोड़ रुपये की लागत से इनवार एंटी-टैंक मिसाइलों की खरीद के लिए एक सौदा किया है. बताया जा रहा है कि ये अत्याधुनिक लेजर-गाइडेड मिसाइलें हैं, जो बहुत सटीक निशाना लगाने में सक्षम हैं. इससे भारतीय सेना की मेकनाइज्ड वारफेयर और मजबूत होगी. साथ ही इससे ऑपरेशनों में निर्णायक बढ़त मिलेगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के साथ 2,095.70 करोड़ रुपये की लागत से इनवार एंटी-टैंक मिसाइलों की खरीद के लिए एक सौदा किया है. यह सौदा 'बाय (इंडियन)' श्रेणी के तहत हुआ है, जिसका मतलब है कि यह पूरी तरह से भारतीय उत्पादन पर आधारित है. इन मिसाइलों से टी-90 टैंकों की मारक क्षमता बढ़ेगी और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा।

रक्षा मंत्रालय ने भारत डायनामिक्स लिमिटेड के साथ एक महत्वपूर्ण डील किया. यह सौदा इनवार एंटी-टैंक मिसाइलों की खरीद के लिए है. यह करार रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में दक्षिण ब्लॉक, नई दिल्ली में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और बीडीएल प्रतिनिधियों के बीच हस्ताक्षरित हुआ. रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, INVAR एंटी-टैंक मिसाइलें भारतीय सेना के टी-90 टैंकों की फायरपावर और मारक क्षमता को कई गुना बढ़ा देंगी।

सटीक निशाना लगाने में सक्षम

बताया जा रहा है कि ये अत्याधुनिक लेजर-गाइडेड मिसाइलें हैं, जो बहुत सटीक निशाना लगाने में सक्षम हैं. इससे भारतीय सेना की मेकनाइज्ड वारफेयर और मजबूत होगी. साथ ही इससे ऑपरेशनों में निर्णायक बढ़त मिलेगी. सरकार का यह कदम भारतीय रक्षा उद्योग को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम माना जा रहा है. इस करार से न सिर्फ घरेलू रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के विजन को भी मजबूती मिलेगी।

मेक इन इंडिया उत्पादों पर बढ़ रहा भरोसा

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 2024-25 में भारत ने 1.51 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन किया है. इसमें डिफेंस पीएसयूज का योगदान 71.6 प्रतिशत रहा। रक्षा निर्यात 6,695 करोड़ रुपए तक पहुंचा, जो यह दर्शाता है कि मेक इन इंडिया उत्पादों पर वैश्विक भरोसा बढ़ रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर में स्वदेशी रक्षा प्रणालियों की दिखी पावर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ऑपरेशन सिंदूर जैसी सैन्य कार्रवाइयों में स्वदेशी रक्षा प्रणालियों की भूमिका की सराहना कर चुके हैं. बीते दिनों ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में निर्मित अत्याधुनिक डीपीएसयू भवन का उद्घाटन भी किया था. इस दौरान उन्होंने रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

दिल्ली बम धमाका: पुलिस प्रशासन सक्रिय, अमोनियम नाइट्रेट की तलाश में यूपी में छापेमारी

छिबरामऊ। दिल्ली में लाल किला के पास विस्फोट के बाद से पुलिस प्रशासन सक्रिय है। एसडीएम व सीओ ने सिकंदरपुर में तलाशी अभियान चलाया। अमोनियम नाइट्रेट की तलाश में अधिकारियों ने छापेमारी की। गुरुवार को एसडीएम ज्ञानेंद्र कुमार द्विवेदी व सीओ सुरेश कुमार ने पुलिस टीम के साथ सिकंदरपुर में छापेमारी की। दो स्थानों पर आतिशबाजी लाइसेंस धारकों की गोदाम की पड़ताल की। भंडारित विस्फोटक सामग्री के बीच अमोनियम नाइट्रेट की तलाश की गई। हालांकि अधिकारियों को गोदाम खाली मिले। इसी प्रकार टीम ने छिबरामऊ क्षेत्र में भी अधिकारियों ने गोदाम खंगाली। हालांकि गोदाम में अमोनियम नाइट्रेट नहीं मिला। इस छापेमारी से हलचल रही। दूसरी ओर पुलिस संदिग्ध वाहनों की तलाश में भी लगी रही। एसडीएम ने बताया कि सिकंदरपुर व छिबरामऊ में गोदामों पर जांच की गई। विस्फोटक सामग्री को लेकर अमोनियम नाइट्रेट की तलाश की गई। गोदाम खाली मिले। अमोनियम नाइट्रेट नहीं मिला है।

बाहर से आकर ठहरने वाले व्यक्तियों की सूचना संबंधित थाना में आवश्यक- कलेक्टर

● संदिग्ध रूप से निवासरत व्यक्तियों की पहचान कर करें कार्यवाही- कलेक्टर

कलेक्टर ने जारी किया दिशा निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. केदार सिंह ने राजधानी दिल्ली में हुए कार ब्लॉस्ट घटना को दृष्टिगत रखते हुए शहडोल जिले में किसी अप्रत्याशित घटना की रोकथाम हेतु आदेश जारी किया है। जारी आदेश में कहा गया है कि जिले में संचालित होटल, धर्मशाला, रैन बसेरा आदि में बाहर से आकर ठहरने वाले व्यक्तियों के संबंध में जिले की सीमा में बाहर से आने वाले व्यक्तियों, किरायेदार, श्रमिकों के पहचान पत्र व मोबाईल नम्बर प्राप्त कर होटल मालिक, धर्मशाला, रैन बसेरा द्वारा अनिवार्य रूप से सत्यापन कराया जाय,जिले के समस्त थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र अन्तर्गत सभी होटल, लॉज, धर्मशाला, रैनबसेरा आदि के संचालकों के नाम पता सहित सूची तैयार करेंगे।

होटल,लॉज, धर्मशाला रैनबसेरा आदि के संचालको का दायित्व होगा कि रुकने वाले व्यक्तियों की जानकारी परिचय पत्र, मोबाइल नंबर सहित संबंधित थाना प्रभारी को देगें, संबंधित थाना प्रभारी जिले की सीमा में बाहर से आने वाले व्यक्तियों किरायेदार, श्रमिकों का सत्यापन सतत रूप से करना सुनिश्चित करें, आम जनता द्वारा भीड़-भाड़ वाले क्षेत्र बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन, बाजार शॉपिंग माल आदि में किसी भी संदिग्ध वस्तु, वाहन अथवा व्यक्ति हैं, तो इसकी सूचना पुलिस को दी जाय, जिला अन्तर्गत सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारी, पुलिस विभाग के साथ टीम बनाकर होटल धर्मशाला,रैन बसेरा, व्यवसायिक संस्थानों की सतत जांच करें तथा संदिग्ध रूप से निवासरत व्यक्ति, किरायेदार की पहचान कर होटल, संस्थानों के मालिक के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित।

रोड किनारे मिला महिला का नग्न शव, आवारा कुत्तों ने शव को नोंचकर किया क्षत- विक्षत

● दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर:- यूपी के हमीरपुर जनपद की मौदहा कोतवाली क्षेत्र में एक बार फिर महिला का नग्न शव रोड किनारे पड़ा मिला।राहगीरों ने आवारा कुत्तों को महिला के शव को नोचते देख स्थानीय पुलिस को सूचना दी।पुलिस ने शव का पंचनामा भरा और शिनाख्त होने तक मोर्चरी में रखवाने के लिए भेजा।

मौदहा कोतवाली क्षेत्र का है ,जहां बृहस्पतिवार सुबह राहगीरों ने मौदहा-बसवारी रोड किनारे रमना गांव के पास एक लगभग 35 वर्षीय महिला का नग्न शव पड़ा देखा , सड़क पर खून के निशान भी काफी दूर तक देखने को मिले और आवारा कुत्तों ने नोचना भी शुरू कर दिया था।राहगीरों ने यह भयावह वाकया देखकर स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी।जिसके बाद पुलिस और फील्ड यूनिट ने घटना स्थल पर पहुंचकर साक्ष्य इकट्ठे किये।अभी तक महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी है।पुलिस अधीक्षक बताया कि कपड़ों और शरीर के निशानों के जरिये आसपास के लोगों से महिला को पहचानने की कोशिश की जा रही है उसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।पुलिस ने घटना के जल्द खुलासे का आश्वासन भी दिया है।

बताते चलें कि बीते 27 अक्टूबर को भी मौदहा कोतवाली के रीवन गांव के पास खेतों पर एक महिला का अधजला और अर्धनग्न शव मिला था।हालांकि पुलिस उस मामले में दो आरोपियों की गिरफ्तारी कर घटना का खुलासा कर चुकी है ,लेकिन महज पंद्रह दिनों में कोतवाली क्षेत्र में ऐसी ही दूसरी घटना होना मौदहा कोतवाली पुलिस की चौकसी और कार्यशैली पर सवाल खड़े करती है।

मेला में आयोजित दो दिवसीय दंगल में पहलवानों ने दिखाए दांव- पेंच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- सरीला तहसील के जलालपुर थाना क्षेत्र के कदौरा गांव में दो दिवसीय दंगल मेले का आयोजन किया गया।गांव के कर्धम ऋषि आश्रम स्थल में हुये दंगल में लगभग दो दर्जन से अधिक कुश्तियां हईं।दंगल का उद्घाटन जिला पंचायत क्षेत्र जरिया से उम्मीदवार सत्या राजपूत और रिचा राजपूत ने किया। पहले दिन कई रोमांचक कुश्तियां हुई, जिनमें बराबरी पर समाप्त हुई। कर्धम ऋषि आश्रम में सत्या राजपूत ने पहलवानो के हाथ मिलाकर दंगल का शुभारम्भ किया। पहले दिन मोनू दिल्ली ने विनय धोहल को पछाड़ा, जीतेन्द्र मसगांव और ह्रदेश पुरैनी के बीच रोमांचक कुश्ती हुई जो बराबरी पर छूटी। राजू मसगांव व मंगल पहलवान राठ के बीच हुई कुश्ती में मंगल ने राजू मसगांव को पटकनी दी। मंगल रहटिया व उदल धौहल के पहलवान के बीच हुआ मुकाबला बराबरी पर छूटा। अंकित धौहल व जग्गू उरई की कुश्ती भी बराबरी पर छूटी। महिला पहलवान मीनू कानपुर व सपना बांदा की कुश्ती बराबर रही। ओमेन्द्र पहलवान बड़ागांव जालौन व विकास पहलवान गोरखपुर के बीच हुई कुश्ती बराबर रही। दूसरे दिन भी नामी-गिरामी पहलवानों के बीच मुकाबले हुये। जिसमे मंगल हमीरपुर ने अर्जुन हरियाणा को चित किया।वहीं रामलीला मै धनुष यज्ञ व रामविवाह की लीला का आयोजन किया गया। शुक्रवार रात को रावण वध की लीला के साथ मेला का समापन होगा।

प्रथम स्थान धर्मेंद्र, द्वितीय स्थान- राघव विश्वकर्मा, तृतीय स्थान- छोटू ने किया प्राप्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। 6 नव बर से 16 नव बर संस्कार सप्ताह के अंतर्गत बजरंग दल द्वारा स पूर्ण भारत में नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है इसी निमित में कानपुर प्रान्त प्रान्त के अंतर्गत जिला ललितपुर के बिरधा प्रखण्ड में run for health का आयोजन किया गया जिसमें सैंकड़ों विद्यार्थियो के साथ युवाओं ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान धर्मेंद्र, द्वितीय स्थान- राघव विश्वकर्मा, तृतीय स्थान- छोटू ने प्राप्त किया जिन्हें संगठन द्वारा पुरस्कृत किया गया इसके तत्पश्चात नशा मुक्ति अभियान के तहत गोष्ठी आयोजित की गई जिसमें मु य वक्ता प्रान्त सह संयोजक शुभम् कौशिक जी ने बताया जीवन को स्वास्थ्य रखना है परिवार को एक रखना हे तो समाज के साथ साथ स्वयं को नशा मुक्त बनाना पड़ेगा जिससे नशा मुक्त भारत का बनेगा

मु य अतिथि श्रीमान महेश जी (A.D.O.) ने बताया कि नशा व्यक्ति को समाज से व्हिसकृत कर देता हे इसी लिए नशा मुक्त होना अत्यधिक जरूरी हे इसके बाद बजरंग दल के जिला संयोजक संजू ग्वाला जी ने सभी नशा मुक्त भारत बनाने के लिए संकल्प दोहराया मंच का संचालन राजीव कुशवाहा जी ने किया और माधव विश्वकर्मा जी सभी का आभार व्यक्त किया

कार्यक्रम में विशाल कुशवाहा, रितिक कुशवाहा, ध्रुव, मनोज, अमित, सोनू, शुभ, अरुण, सुनील, रामजी, हरगोबिंद, महेश, रोहित, शिवराज सिंह, सिपाही लाल, सत्यम, नीरज दशरथ, कुंवर राज, रामकृष्ण, डेनी, प्रिंस, शिव, श्रीकांत, धर्मेन्द्र, प्रिंस बुंदेला, आशीष, लोकेश, अंकित, गयाशी, अर्जुन, छोटू, अभिषेक, राघव, मोनू, अनुज एवं अन्य कार्यकर्ता, ग्राम वासी ,एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उच्च प्राथमिक विद्यालय में हुआ खेलकूद प्रतियोगिया का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर:- मुस्करा विकासखण्ड क्षेत्र के महेरा गांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय में बृहस्पतिवार के दिन त्रिस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन विद्यालय प्रबन्ध समिति अध्यक्ष सुखदेव ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया।

प्रतियोगिया में कबड्डी, खो-खो और दौड़ आयोजित की गई।महेरा विद्यालय के प्रधानाचार्य बाबूराम चक्रवर्ती ने बताया कि कबड्डी का फाइनल मैच उच्चवह प्राथमिक विद्यालय महेरा और खड़ेही लोधन के बीच हुआ जिसमें खडेही लोधन की टीम 14 के मुकाबले 16 अंको से जीती।उच्च प्राथमिक विद्यालय महेरा और कन्या उच्च प्राथमिक खड़ेही लोधन की बालिका वर्ग की टीमों में महेरा की टीम 13 के मुकाबले 18 अंको से विजयी रही।वहीं खो-खो प्रतियोगिता में बालक व बालिका वर्ग की दोनों ही फाइनल मैच महेरा की टीम ने जीते।वहीं दौड़ प्रतियोगिता में बालक वर्ग में 100 एवं 200 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता महेरा के उच्च प्राथमिक विद्यालय महेरा के कक्षा सातवीं के छात्र सुदामा ने जीती। बालिका वर्ग में 100 मीटर की दौड़ खड़ेही लोधन की पिंकी ने जीती।400 मीटर की दौड़ महेरा के नैतिक ने जीती। सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरष्कृत किया गया।प्रतियोगिता में रैफरी अनिल कुमार राजपूत रहे। कार्यक्रम में मिथलेश राजपूत, शिवशंकर विश्वकर्मा, रामलखन, ब्रजेन्द्र राजपूत, अमर सिंह, करन सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रधानाध्यापक को दबंग ने दी जान से मारने की धमकी, शिक्षा जगत में रोष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूट। भरतकूप क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक को एक दबंग व्यक्ति द्वारा फोन पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस घटना से शिक्षकों में आक्रोश और भय का माहौल व्याप्त है। पीड़ित प्रधानाध्यापक ने आरोपी के खिलाफ भरतकूप थाने में लिखित तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मिली जानकारी के अनुसार, उच्च प्राथमिक विद्यालय भरतकूप के प्रधानाध्यापक ने बताया कि स्थानीय निवासी शिव प्रसाद नामक व्यक्ति ने उन्हें फोन पर अपशब्द कहे और धमकी दी कि यदि उन्होंने विरोध किया तो जान से मार देगा। प्रधानाध्यापक ने बताया कि वह विद्यालय के कार्यों में व्यस्त थे, तभी अचानक शिव प्रसाद का फोन आया। फोन उठाते ही उसने अभद्र भाषा में बात की और लगातार अपमानित करता रहा। उन्होंने कहा कि उनका किसी भी व्यक्ति से कोई विवाद नहीं है, बावजूद इसके आरोपी ने उन्हें धमकाया।

प्रधानाध्यापक ने बताया कि इस घटना के बाद से वह काफी भयभीत हैं। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक समाज को शिक्षा और संस्कार देता है, लेकिन अगर उन्हीं को इस तरह की धमकियों का सामना करना पड़े, तो यह व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। प्रधानाध्यापक ने मामले की सूचना तत्काल थाना भरतकूप को दी और लिखित शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने मांग की है कि आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी शिक्षक के साथ ऐसी घटना दोबारा न हो।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय शिक्षकों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। उनका कहना है कि इस तरह की घटनाएं शिक्षकों के मनोबल को तोड़ने वाली हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि शिक्षकों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएँ और क्षेत्र में दबंगई पर सख्त अंकुश लगाया जाए। स्थानीय नागरिकों ने भी इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था में लगे लोगों का अपमान समाज के लिए शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि पुलिस को तत्काल आरोपी के खिलाफ सख्त कदम उठाना चाहिए, ताकि कानून व्यवस्था में आम लोगों का विश्वास कायम रह सके।

बहराइच में भेड़िया का कहर जारी, गांव में खेल रही बच्ची को जबड़े में दबोच ले गया

बहराइच: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वन विभाग को सघन निगरानी के निर्देश देने के बाद भी जिले में जंगली जानवरों का कहर जारी है। आदमखोर हो चुका भेड़िया गुरुवार को घर के बाहर खेल रही तीन वर्ष की मासूम को अपने जबड़े में दबोच ले गया। पीड़ित परिवार की चीख-पुकार सुनकर गांव वाले इकट्ठा हो गए। इसके बाद पुलिस और वन विभाग को सूचना दी गई। भेड़िया के आने की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ मिलकर बच्ची की तलाश शुरू की। ड्रोन के जरिए पूरे इलाके के चप्पे-चप्पे को खंगाला जा रहा है। कैसरगंज रेंज के लोधन पुरवा गांव निवासी संतोष की तीन वर्षीय बेटी जाह्नवी गुरुवार की सुबह करीब 11 बजे अपने घर के बाहर खेल रही थी। बताया जाता है कि अचानक एक भेड़िया वहां आया और बच्ची को जबड़े में दबोचकर जंगल की ओर भाग गया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े और जानवर के पीछे भागे, लेकिन वह गन्ने के खेतों में घुस गया।काफी तलाश के बाद भी बच्ची का कोई सुराग नहीं लग सका है। बच्ची के परिवारजन ने बताया कि बच्ची घर के दरवाजे के पास खेल रही थी। तभी भेड़िया धान के खेत से आया। उस समय उनकी दो बहुएं और एक पोता वहां मौजूद थे। इन्हीं तीनों ने भेड़िए को बच्ची को ले जाते हुए देखा और शोर मचाया। लेकिन, तब तक भेड़िया बच्ची को लेकर गायब हो चुका था। फिलहाल, बच्ची की मां बेसुध हैं। पिता संतोष ग्रामीणों और वन विभाग की टीम के साथ उसे खोजने में जुटे हुए हैं। रेंजर ओमकार यादव ने बताया कि टीम मौके पर जांच कर रही है।

खाकरौन गांव में नशा मुक्ति अभियान, ग्रामीणों ने ली शपथ

● बानपुर क्षेत्र के कई गांवों में चल रही है यह मुहिम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बार (ललितपुर)- बानपुर थाना क्षेत्र के खाकरौन गांव में नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। इस दौरान एक खुली पंचायत का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने शराब और अन्य नशों से दूर रहने की शपथ ली। नट बाबा चबूतरा के पास आयोजित इस बैठक में खाकरौन सहित आसपास के गांवों से भी लोग शामिल हुए। बैठक का मु य उद्देश्य गांव को नशा मुक्त बनाना और शराबबंदी लागू करना था। कई ऐसे लोग जो लंबे समय से नशे के आदी थे, उन्होंने पंचों के सामने नशा छोड़ने का संकल्प लिया। उन्हें अपनी बात रखने का स्वतंत्र अवसर दिया गया।

बैठक का संचालन कर रहे रितेश चौकीदार ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि नशा भविष्य खराब करता है और लोगों को अपने बच्चों के उज्वल भविष्य तथा घर-परिवार पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि शराबबंदी किसी एक व्यक्ति के प्रयास से संभव नहीं है, बल्कि सभी ग्रामवासियों के सहयोग से ही खाकरौन को नशा मुक्त बनाया जा सकता है। इस बैठक में खाकरौन के सभी समाज के लोगों के साथ-साथ डगराना, खाकरौन पुरा और धनकुआं के ग्राम प्रधान भी मौजूद रहे।

ललितपुर जिले में बानपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत कई गांवों में इस तरह के नशा मुक्ति अभियान चलाए जा रहे हैं। इससे पहले कुंवगांव और बिलाटा में भी पंचायतें लगाकर शराबबंदी की घोषणा की गई थी। सूरी खुर्द के युवा संदीप राजपूत ने बताया कि वे गांव-गांव जाकर शराबबंदी के लिए प्रयास करेंगे। इन अभियानों से गांवों में महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चों सहित सभी में खुशी का माहौल है।

खेत पर काम करने गए किसान को बाघ ने मार डाला, ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति नाराजगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बहराइच। ककरहा रेंज के धर्मपुर गांव निवासी एक किसान पर गुरुवार दोपहर में खेत में काम करते समय बाघ ने हमला कर मार डाला। कुछ देर बाद आसपास के लोगों घटना की जानकारी हुई तो सभी मौके पर पहुंचे। घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंच जांच शुरू कर दी है। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के ककरहा रेंज के ग्राम धर्मपुर बेझा गांव निवासी 48 वर्षीय भिखान आर्य का खेत अमृतपुर पैरना खरबुजवा पुल के पास है। दोपहर ढाई बजे वह घर से 300 मीटर की दूरी पर स्थित खेत गए थे। ग्रामीणों का आरोप है कि खेत में काम करते समय जंगल से निकलकर आए बाघ ने किसान पर हमला कर उसे मार डाला। घटना की जानकारी पाकर परिवारजन रोते बिलखते मौके पर पहुंचे। जानकारी के बाद कोतवाली मुर्तिहा के पुलिस कर्मी पहुंच गए। हमले को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। सूचना के बावजूद वन विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंची है। ग्रामीणों में हमले को लेकर नाराजगी है।

गांव के लोगों का कहना है कि कई दिनों से बाघ इलाके में आ रहा है, इसका वीडियो भी तीन दिन पूर्व इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ था। बाघ ने तीन मवेशियों को मार डाला था। बावजूद इसके वन विभाग द्वारा पिंजड़ा नहीं लगाया गया है। डीएफओ सूरज कुमार ने बताया कि मामले में अभी जांच की जा रही है। इसके बाद कहना संभव होगा कि मोत तेंदुए के हमले में हुई है या बाघ ने मारा है।